05 जून 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सौर ऊर्जा के उत्पादन से पारंपरिक ऊर्जा पर कम होगी निर्भरता : नीतीश

5

जीत की खुशियां मातम में बदलीं: बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बेकाबू हुई भारी भीड़

आरसीबी के जश्न के दौरान भगदड़ में 11 लोगों की मौत

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री परेड के दौरान उमड़ी थी लाखों फैंस की भीड़, भगदड़ में 25 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल

- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस की लापरवाही और भीड़ के दबाव ने हादसे को जन्म दिया सड़कें जाम थीं, जिससे एंबुलेंस भी समय पर नहीं पहुंच सकीं
- भाजपा प्रवक्ता बोले- सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और गृह मंत्री सीधे तौर पर इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए

एजेंसी/बेंगलुरु

आईपीएल 2025 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्वागत के लिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही स्टेडियम का गेट खोला गया, वहां भगदड़ मच गई। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस भीषण भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आरसीबी की ऐतिहासिक जीत के बाद शहर में उत्साह चरम पर था। जैसे ही फैंस को टीम के स्टेडियम पहुंचने की सूचना मिली, हजारों की संख्या में लोग गेट के बाहर जुट गए। हालात इतने बेकाबू हो गए कि कई लोग दीवारें फांदते हुए और कुछ पेड़ों पर चढ़कर स्टेडियम में घुसने की कोशिश करते देखे गए। इससे पहले फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी आरसीबी का बेंगलुरु में ग्रैंड वेलकम हुआ। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर फैंस का जनसैलाब उमड़ पड़ा था।

पीएम मोदी और सीएम सिद्धारमैया ने घटना पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु भगदड़ पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, बेंगलुरु में हुई दुर्घटना बहुत ही दुखद है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द स्वस्थ हो जाएं। वहीं कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने ट्वीट किया कि आरसीबी टीम के जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में कई लोगों की जान जाने और कई के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सुनकर हमें गहरा सदमा लगा है। इस त्रासदी के दर्द ने जीत की खुशी को भी खत्म कर दिया है। मृतकों की आत्मा को शांति मिले और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मेरी संवेदनाएं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। ऐसी भगदड़ और भीड़ के बेकाबू होने के कारण अप्रिय घटना की आशंका के चलते टीम को विजय परेड में मार्च करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, स्टेडियम के पास लोगों की भीड़ के कारण मची भगदड़ के कारण यह दुर्घटना हुई।

जैसे ही आरसीबी टीम को भगदड़ की जानकारी मिली टीम ने जश्न कार्यक्रम को रद्द कर दिया और होटल में वापस लौट आई। खिलाड़ियों और प्रशंसकों का उत्साह आरसीबी के लिए शोक में बदल गया। जानकारी के अनुसार आरसीबी की टीम सुबह पहले कर्नाटक विधानसभा पहुंची थी, जहां मुख्यमंत्री ने विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया। इसके बाद खिलाड़ियों की बस चिन्नास्वामी स्टेडियम के लिए रवाना हुई। जैसे ही यह सूचना फैली कि खिलाड़ी स्टेडियम पहुंचने वाले हैं, वहां पहले से मौजूद भीड़ बेकाबू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस की लापरवाही और भीड़ के दबाव ने हादसे को जन्म दिया। सड़कें जाम थीं, जिससे एंबुलेंस भी समय पर नहीं पहुंच सकीं। एक युवक स्टेडियम की दीवार पर चढ़ते वक्त गिरा और उसका पैर टूट गया।

डिप्टी सीएम शिवकुमार बोले मैं सभी से क्षमा चाहता हूं

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने घटना पर दुख जताते हुए माफी मांगते हुए कहा कि हमें आरसीबी और कर्नाटक पर गर्व है। विराट कोहली की वफादारी रंग लाई है। हमने भव्य विजय जुलूस की योजना बनाई थी, लेकिन भीड़ बेकाबू हो गई। मैं सभी से क्षमा चाहता हूं। बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने इस कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की थी। बावजूद इसके, फैंस की अपार संख्या और मौके पर मौजूद सुरक्षा प्रबंधों की कमी के चलते व्यवस्था चरमरा गई। डीके शिवकुमार ने कहा कि अभी अस्पताल जाकर मैं उन डॉक्टरों को परेशान नहीं करना चाहता जो मरीजों की देखभाल कर रहे हैं। हम लोगों से शांत रहने की अपील करते हैं। हम सब कुछ सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। भगदड़ पर भाजपा के आरोपों पर डीके शिवकुमार ने कहा, वे आरोप लगाने के लिए वहां हैं और हम सुरक्षा के लिए वहां हैं।

राज्य सरकार ले इस त्रासदी की जिम्मेदारी : भाजपा अध्यक्ष

बेंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में घायल लोगों का हाल जानने कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र बोवरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा, इस दर्दनाक हादसे में 11 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। घायलों से मिलने के बाद उन्होंने कहा, राज्य सरकार को इस त्रासदी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जब पूरा देश और कर्नाटक आरसीबी की जीत का जश्न मना रहा था, तब राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व तैयारी के विजय रैली निकालने की जल्दबाजी की, जिससे यह त्रासदी हुई। राज्य सरकार ने कभी पूर्व तैयारियों की परवाह नहीं की। उन्हें प्रचार में ज्यादा दिलचस्पी थी। इसका नतीजा यह हुआ कि 11 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग आईसीयू में हैं। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। मैंने कुछ पीड़ितों से बात की, अंदर कोई पुलिस नहीं थी, कोई एम्बुलेंस सुविधा नहीं थी। सीएम को मामले को न्यायिक जांच के लिए भेजना चाहिए।

यह राज्य प्रायोजित आपराधिक लापरवाही और हत्या है : पूनावाला– बेंगलुरु भगदड़ पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, यह राज्य प्रायोजित आपराधिक लापरवाही और हत्या है। सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और गृह मंत्री जी परमेश्वर सीधे तौर पर इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। एक तरफ लोग मर रहे हैं और आप बेशर्मी से जश्न मना रहे हैं। यह आपकी संवेदनशीलता है। कांग्रेस बहुत कुछ कहती है, लेकिन आज उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है? बुनियादी व्यवस्था और पुलिस की तैनाती नहीं थी, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? यह कांग्रेस सरकार है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी नारायणस्वामी ने कहा, यह त्रासदी सरकार की वजह से हुई। उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी। यह सुरक्षा में चूक है।

इतनी भीड़ आएगी ये किसी ने नहीं सोचा था : राजीव

बेंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, ऐसा किसी भी राज्य में हो सकता है और इसके लिए सत्ताधारी पार्टी को दोष नहीं देना चाहिए। इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। अगर ऐसा बीजेपी शासित राज्य में होता है तो हमें उन्हें दोष नहीं देना चाहिए। भीड़ बहुत ज्यादा थी, मैंने फ्रैंचाइज से बात की, उन्होंने भी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी भीड़ आएगी और यह घटना अचानक हुई। मृतकों के परिवारों को ज्यादा से ज्यादा मदद देने की कोशिश की जा रही है। राजीव शुक्ला ने कहा कि जश्न के दौरान बड़ी संख्या में भीड़ का आना और फिर भगदड़ की घटना होना यह चिंता की बात है, हमारे लिए बहुत बड़ा सबक है। भविष्य में ऐसे जश्न के लिए बीसीसीआई की तरफ से आगे बहुत सावधानी बरतनी होगी ताकि इस तरह की घटना बाद में कभी न हो, लोगों की सुरक्षा अहम है।

मप्र के झाबुआ जिले में भीषण सड़क हादसा, नौ लोगों की मौत

सीमेंट से लदा ट्रॉला ओमनी वैन पर पलटा

एजेंसी/भोपाल

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में मंगलवार और बुधवार की रात दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। एक सीमेंट से लदा भारी-भरकम ट्रॉला ओमनी वैन पर पलट गया। हादसे में पति-पत्नी और 2 बच्चों समेत 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि वैन के परखच्चे उड़ गए। सभी मृतकों की मौके पर ही जान चली गई। यह हादसा जिले के कल्याणपुरा थाना क्षेत्र के भावपुरा गांव के पास रात लगभग 3 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि सभी यात्री एक शादी समारोह से लौट रहे थे और मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुड़ा गांव के निवासी थे। वैन में कुल 11 लोग सवार थे, जिनमें से 2 गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक 5 साल का बच्चा भी शामिल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रॉला अचानक अनियंत्रित होकर वैन पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया।

मप्र के सीएम ने आर्थिक मदद देने की घोषणा की

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है तो वहीं दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ओर मंत्री निर्मला भूरिया ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की सहायता जारी करने की घोषणा की है।

सूचना मिलते ही थांदला और मेघनगर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झाबुआ एसपी पदम विलोचन शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की पूरी जांच की जा रही है और फरार ट्रॉला चालक की तलाश जारी है।

1 अक्तूबर 2026 से जाति गणना के साथ शुरू होगी जनगणना

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का एलान पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी एलान कर दिया है। सूत्रों को मुताबिक, भारत में 1 अक्तूबर 2026 से जाति गणना के साथ जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। बता दें कि, जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी (2021 में कोरोना महामारी के कारण टली)। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है।

मैदानी राज्यों में एक अक्तूबर 2027 से जनगणना : सूत्रों के मुताबिक पहाड़ी राज्यों जैसे लद्दाख, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 1 अक्तूबर 2026 से जनगणना शुरू होगी। वहीं मैदानी इलाकों में जातीय जनगणना की शुरूआत 1 मार्च 2027 में होगी। साल 2026 में जनगणना के बाद से भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जो पहले 1951 से शुरू हुआ था वो बदलकर 2027-2037 और फिर 2037 से 2047 हो जाएगी।

गृह मंत्रालय बताया कि, 'जातियों की गणना के साथ-साथ दो चरणों में जनसंख्या जनगणना-2027 आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए, संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के पहले दिन 00.00 बजे होगी। उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनसंख्या जनगणना आयोजित करने के इरादे की अधिसूचना जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

21 जुलाई से शुरू होगा संसद का मानसून सत्र, पेश हो सकता है बीमा संशोधन बिल

एजेंसी/नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र की तारीखें घोषित हो गईं हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि 21 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र आयोजित किया जाएगा। विपक्ष की ओर से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लगातार की जा रही संसद के विशेष सत्र की मांग के बीच सरकार ने यह एलान किया है। संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में एक धराया

एजेंसी/मोहाली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत लगातार आतंकी नेटवर्क और उनसे जुड़े सूत्रों पर कड़े एक्शन ले रहा है। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले कई भारतीयों को गिरफ्तार किया है। इस कड़ी में पंजाब के मोहाली से एक यूट्यूबर को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जसबीर सिंह नाम का यह शख्स तीन बार पाकिस्तान की यात्रा भी कर चुका है। पंजाब के रूपनगर में रहने वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को मंगलवार को मोहाली में पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मोहाली के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने इस नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। जान महल नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाला सिंह महलान गांव का निवासी है।

डीजीपी पंजाब पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा, खुफिया जानकारी पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ, मोहाली ने रूपनगर के गांव महलान निवासी जसबीर सिंह से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी नेटवर्क का पता लगाया है। जसबीर सिंह, जो जान महल नाम का एक यूट्यूब चैनल चलाता है, उसे पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ जुड़ा पाया गया है, जो एक आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। उसने हरियाणा स्थित यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी नागरिक और निष्कासित पाक उच्चायोग अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी घनिष्ठ संपर्क बनाए रखा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता पर किया पलटवार, कहा...

राहुल गांधी आत्मसमर्पण आप करते होंगे, आपकी पार्टी ने किया होगा

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक 'पोस्ट' में कहा, 'राहुल गांधी आत्मसमर्पण आप करते होंगे, आपकी पार्टी ने किया होगा, आपके नेताओं ने आत्मसमर्पण किया होगा क्योंकि आपका इतिहास ही ऐसा रहा है, लेकिन भारत कभी आत्मसमर्पण नहीं करता। आत्मसमर्पण आपकी कांग्रेस पार्टी के शब्दकोष में है, आपके डीएनए

में है।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी, आपको अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह आपने इतिहास में 'आत्मसमर्पण' किया।' भाजपा प्रमुख ने कहा, आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर आत्मसमर्पण किया, सिंधु जल समझौते में आत्मसमर्पण किया, हाजी पीर दर्रा का आत्मसमर्पण किया, छम्ब सेक्टर के 160 किमी इलाके का आत्मसमर्पण किया, 1962 की लड़ाई में आत्मसमर्पण किया, 1948 में आत्मसमर्पण किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने आत्मसमर्पण किया। नड्डा ने कहा, भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी अंदर घुस कर उसके 11 एयरबेस को तबाह किया, 9 आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया, 150 से ज्यादा आतंकी मारे। पाकिस्तान तो रोते-रोते दुनिया को बता रहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 18 जगह हमला करके सब कुछ तबाह कर दिया और राहुल गांधी देश के आत्मसमर्पण की बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की घोषणा सरकार ने या भाजपा के किसी प्रवक्ता ने नहीं की थी, बल्कि भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने की थी।

अब ग्राम पंचायतों में जेम पोर्टल के माध्यम से होगी खरीदादरी

- ग्राम पंचायत में मुखिया होंगे प्राइमरी यूजर जबकि जिला स्तर पर जिलाध्यक्ष
- जेम से खरीदारी करने पर छोटे कारोबारियों को मिलेगा बढ़ावा

केटी न्यूज/बक्सर

पंचायती राज विभाग पूरे विधि व्यवस्था को डिजिटल कर दिया है। चाहे वह किसी योजना का भुगतान हो या किसी योजना को चालू कराना हो। योजनाओ को ऑनलाइन जीपीडीपी पर अपलोड करना है। वही भुगतान डोंगल के माध्यम से हो रहा है। अब कुछ समानो की खरीददारी भी ऑनलाइन जेम पोर्टल के माध्यम से ही होगा। 15 हजार रुपये से लेकर 30 लाख तक के सामान की खरीदारी के लिए इसी प्लेटफार्म का उपयोग करना होगा। इसमे लिए पंचायत में मुखिया से लेकर पंचायत सचिव तक का आईडी बना दिया गया है। कुछ प्रखंड में इसके तहत एसएलडब्लूएम यानी लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत डस्टबिन एवं संसाधन का खरीददारी भी किया गया है। डुमरांव प्रखंड में एसएलडब्लूएम योजना के तीसरे चरण के संसाधन की खरीदारी जेम से ही किया गया है। लेकिन यह पोर्टल पूर्ण रूप से जिला के अन्य प्रखंडो में मूर्त रूप नहीं ले सका है। अबतक इस पोर्टल का कुछ खास प्रयोग भी नहीं किया गया है। हालांकि इस विभाग के अलावे बाकी विभाग पहले से जेम पोर्टल से ही खरीदारी कर रहे हैं, परंतु त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाएं अलग-अलग तरीके से खरीदारी कर रहीं थीं। इसके कारण लगातार विवाद हो रहा था। घोटाले के आरोप भी लग रहे थे। परंतु अब सरकारी विभागों के लिए मान्य इसी पोर्टल पर जरूरतों की सूची डाली जाएगी और आपूर्तिकताओं के तय रेट से खरीदारी हो जाएगी। फिर दर को लेकर कोई विवाद भी नहीं होगा।

-ई-मेल आईडी जरूरी,तीन स्तर पर होगा खरीदारी : जेम पोर्टल से खरीदारी के लिए जरूरी शर्त है कि सभी खरीदारों की ई-मेल आईडी होनी चाहिए। इसके कारण जिले की सभी ग्राम पंचायतों के मुखिया व पंचायत सचिव, सभी पंचायत समितियों के सचिव सह बीडीओ और सहायक सचिव (लेखापाल) और जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी और लेखापाल का ई-मेल आईडी बनाने के लिए जरूरी विवरण पंचायती राज मंत्रालय को भेज दिया गया है। इसके साथ अनिवार्य शर्त यह भी है कि जिनकी भी ई-मेल आईडी बनेगी, उनका आधार से मोबाइल नंबर जुड़ा होना चाहिए। जेम से खरीदारी के लिए तीन स्तर बनाए गए है। पंचायत में मुखिया प्राइमरी यूजर ,सकेंडरी में ग्राम सेवक ,ब्लॉक स्तर पर प्रखण्ड प्रमुख एवं बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी होंगे।

एक नजर

बक्सर मुक्तिधाम से चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार, पहले से दर्ज हैं कई मामले

बक्सर। शहर में लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं के बीच नगर थाना पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। बुधवार को पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगर के मुक्तिधाम के पास एक अपराधी को चोरी की पल्सर बाइक के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ नगर, इटाढ़ी समेत जिले के कई थानों में चोरी, लूट, डकैती और फायरिंग जैसे गंभीर अपराधों के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार युवक की पहचान इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बिझौरा गांव निवासी दूधनाथ सिंह के पुत्र दीपक कोइरी के रूप में हुई है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि चरित्रवन स्थित मुक्तिधाम के पास एक संदिग्ध युवक चोरी की बाइक के साथ मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और मौके से पल्सर बाइक के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दीपक कोइरी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ लूट, डकैती, फायरिंग तथा वाहन चोरी जैसे गंभीर मामलों में कई प्राथमिकी दर्ज हैं। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शहर में बाइक चोरी की घटनाओं में हो रही वृद्धि को देखते हुए यह गिरफ्तारी काफी अहम मानी जा रही है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दीपक किसी संगठित बाइक चोर गिरोह से जुड़ा हुआ है या उसने अकेले इन घटनाओं को अंजाम दिया है।

राजपुर ट्रिपल मर्डर के एक नामजद आरोपित की हुई मौत, पुलिस ने नहीं की पुष्टि

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में 24 मई की सुबह हुए लोमहर्षक ट्रिपल मर्डर के एक नामजद आरोपी 80 वर्षीय जगनारायण यादव की मौत हो गई है। उनकी मौत दो दिन पहले ही होने की जानकारी मिली है। हालांकि, स्थानीय पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। मृतक इस घटना के मुख्य आरोपी व पूर्व मुखिया मनोज कुमार सिंह उर्फ मनोज यादव तथा पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष यादव के बड़े पिता है। ट्रिपल मर्डर की घटना में मनोज व संतोष के अलावे पीड़ित पक्ष ने जगनारायण यादव व उनके दोनों पुत्रों महेन्द्र यादव व बिरेन्द्र यादव को भी आरोपी बनाया है। पुलिस अभी उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर ही रही थी कि उनकी मौत की सूचना आ गई। ग्रामीण सूत्रों की माने तो दो दिन पहले ही जगनारायण यादव दुनिया छोड़ चुके है। हालांकि, उनकी मौत कहा और कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। बता दें कि 24 मई को राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में वर्चस्व की जंग में मनोज यादव व संतोष यादव ने अपने गुर्गो के साथ मिल गांव के ही तीन लोगों की गोली मार हत्या कर दी थी, जबकि दो लोग गोलीबारी के शिकार हो अभी भी अस्पताल में इलाजरत है, इनमें एक का पैर काटना पड़ा है। इस मामले में पीड़ित पक्ष द्वारा कुल 19 नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस ने अबतक तीन को गिरफ्तार कर लिया है तथा पुलिस दबिश के कारण पांच ने कोर्ट में सरेंडर किया है। इस संबंध में राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि उन्हें किसी आरोपी के मौत की सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने पर नियमों के अनुसार इसकी जानकारी कोर्ट को दी जाएगी।

ट्रिपल मर्डर मामले के दो आरोपियो को रिमांड पर लेकर पुलिस ने की पूछताछ

बक्सर। राजपुर ट्रिपल मर्डर के दो आरोपियों को पुलिस ने रिमांड पर ले दो दिनों तक पूछताछ करने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया है। जिन आरोपियों को रिमांड पर लिया गया था, उनमें महेन्द्र यादव व बटेश्वर यादव शामिल है। दोनों कुछ दिन पूर्व ही पुलिस दबाव में आकर कोर्ट में सरेंडर किए थे। सरेंडर करने के साथ ही पुलिस ने उन्हें रिमांड पर लेने की अर्जी कोर्ट को दी थी। जिसके बाद कोर्ट ने अनुमति दे दी। रिमांड पर लेने के बाद एसपी शुभम आर्य ने उनसे पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी हासिल की। मिली जानकारी के अनुसार उनसे घटना को अंजाम देने के बाद वे कहां भागे तथा किन लोगों ने उनकी भागने व छिपने में मदद की थी, इन सब पर सवाल किए गए।

उनसे पूछताछ कर पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास की कि घटना के दौरान कितने हथियारों का प्रयोग किया गया था तथा उसे कहां छिपाया गया है। कानून के जानकारों की मानें तो इस हत्याकांड में अभियुक्तों को सजा दिलवाने के लिए हथियारों की बरामदगी अहम है। घटना के बाद से ही पुलिस हथियार बरामद करने के प्रयास में जुटी है, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। अब दो अभियुक्तों को रिमांड पर लेने के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि जिन असलहो से तीन लोगों को मौत के घाट उतारा गया है, पुलिस उसे बरामद कर लेगी। एसपी शुभम आर्य ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दो दिनों तक पूछताछ के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया है। हालांकि, उनसे क्या-क्या जानकारी मिली है, इस पर एसपी ने कुछ नहीं बताया, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि पुलिस को अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान घटना के संबंध में कई अहम सुराग मिले है।

महिला संवाद कार्यक्रम बना मतदाता जागरूकता अभियान का एक सफल मंच

बक्सर। महिला सशक्तिकरण और लोकतंत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता अभियान का एक महत्वपूर्ण और सफल मंच बनकर उभरा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को मतदान के अधिकार, प्रक्रिया, और उनके एक-एक वोट के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। जिले के सभी प्रखण्डों में जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित रंगोली तथा मतदान शपथ कराया जा रहा है। जीविका दीदियां बड़े हार्सोउल्लास से महिला संवाद कार्यक्रम में भाग लिया और मतदान देने पर विशेष चर्चा किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने न सिर्फ अपनी भागीदारी सुनिश्चित की, बल्कि मतदान को लेकर फैली भ्रांतियों और सामाजिक दबावों पर भी खुलकर चर्चा की। शिक्षित और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आई महिलाओं के विचारों और अनुभवों ने यह सिद्ध किया कि सही जानकारी और प्रेरणा मिलने पर महिलाएं लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस संवाद में चुनाव आयोग के अधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय नेतृत्व ने भाग लिया। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे न केवल स्वयं मतदान करें, बल्कि अपने परिवार और समुदाय को भी इसके लिए प्रेरित करें।

बक्सर में डीएम व एसपी के नेतृत्व में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

बकरीद पर डीएम की अपील... खुले में नहीं दें कुर्बानी, शांतिपूर्ण मनाएं त्योहार

- गंगा दशहरा के अवसर पर रामरेखा घाट पर अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु की भीड़ होती है
- पर्व से पहले सभी मार्गों की साफ-सफाई कराते हुए चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराना सुनिश्चित करेंगे

केटी न्यूज/बक्सर

ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व के मद्देनजर बुधवार को जिलाधिकारी डॉ विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई।

बैठक में उपस्थित जिला शांति समिति के सदस्यों के द्वारा आगामी पर्व ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व को लेकर अपने-अपने सुझाव जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा गया एवं विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित समिति के सदस्यों, सभी जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए आगामी ईद-उल-जोहा (बकरीद), पर्व को शांतिपूर्ण एवं सदभावनापूर्वक मनाये जाने का अनुरोध किया। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया कि आगामी पर्व के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव से समन्वय स्थापित कर पर्व के निमित सभी रूट की सूची प्राप्त कर लेंगे तथा निर्धारित रूट के सभी मार्गों के लूज एवं लटके हुए तारों की मरम्मती करा लेंगे। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि आगामी पर्व को देखते हुए पर्व से पहले सभी मार्गों की साफ-सफाई कराते हुए चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराना सुनिश्चित करेंगे।

कुबार्नी को खुले में नहीं करने के साथ-साथ अवशेष मांस के टुकड़े को से यत्र-तत्र न फेंकने का निर्देश पुलिस अधीक्षक द्वारा दिया गया ताकि किसी अन्य समुदाय के लोगों पर दुष्प्रभाव न पड़े।

जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर तथा डुमरांव को असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए निरोधात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

वहीं, गंगा दशहरा के अवसर पर शहर के प्रमुख घाटों के अतिरिक्त रामरेखा घाट पर अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठा होने की संभावना रहेगी। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया गया कि पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगे।

शांति समिति के सदस्यों ने बताया कि गंगा दशहरा के अवसर पर रामरेखा घाट पर अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु की भीड़ होती है। बताया गया कि वर्तमान में रामरेखा घाट पर जाने वाले मार्ग पर तोरण द्वार निर्माण का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य हेतु उपयोग में ले जा रहे हैं पत्थर एवं अन्य सामग्री यत्र-तत्र मार्ग में बिखरे पड़े हुए हैं। जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर को निर्देश दिया गया कि रामरेखा घाट मार्ग में अगर किसी प्रकार का अवरोध हो तो उसको तत्काल हटवाने के साथ मार्ग एवं घाटों की साफ सफाई कराना सुनिश्चित करेंगे। सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष, बक्सर जिला को निर्देश दिया गया कि पर्व के पूर्व शांति समिति की बैठक करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) ग्रिजेश कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी विनित कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अविनाश कुमार, राकेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा आदित्य कुमार, जिला स्तरीय पदाधिकारी, शांति समिति के सदस्यों में श्रवण तिवारी, संजय सिंह राजनेता, सत्यदेव प्रसाद, सुरेश संगम सहित अन्य मौजूद थे।

जिन पंचायतों में बैंकिंग सुविधा नहीं वहां पर पंचायत भवन में खुलेंगे बैंक

केटी न्यूज/डुमरांव

नई पंचायत सरकार गठन के साथ सभी पंचायतों में बैंकिंग सुविधा बहाल करने का निर्णय सरकार ने लिया है। गांवों में बेहतर बैंकिंग सेवा के लिए रोडमैप तैयार कर लिया गया है। जिन पंचायतों में बैंक की शाखा नहीं है, वहां बैंक की शाखा खोली जाएगी। सरकार ने पंचायत सरकार भवनों में बैंकों की शाखाएं खोले जाने का निर्देश दिया है। पंचायती राज निदेशक ने सूबे के जिलाधिकारी को पत्र जारी कर विभाग के निर्णय से अवगत कराया है। इस संबंध में जानकारी देते जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि इस संबंध में विभाग से पत्र आया है। सरकार ने ऐसे पंचायतों की सूची मांगी है, जहां बैंकिंग शाखा नहीं है। साथ ही पंचायतों में बने पंचायत सरकार भवनों की भी सूची भी तैयार कर भेजने का निर्देश दिया है। बैंकों की शाखाएं या आउटलेट के लिए पंचायत भवन के ग्राम कचहरी के कोर्ट रूम का स्थान तय किया गया है। पंचायती राज निदेशक द्वारा डीएम को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि बैंक शाखा विहीन पंचायतों के पंचायत सरकार भवन में बैंक शाखा खोला जाएगा। हालांकि बक्सर जिले के अधिकतर ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण नहीं कराया गया है। चरणबद्ध तरीके से सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण हो रहा है।

टला हादसा, करंट की चपेट में आई बारातियों से भरी बस

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में एक बड़ा हादसा टल गया। घटना बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे पीपी रोड स्थित मेथोडिस्ट चर्च के पास की है। हुआ यूं कि बारातियों से भरी एक बस 440 वोल्ट के धारा प्रवाहित तार से टकरा गई थी। बस के छत से तार का संपर्क होते ही चिंगारी निकलने लगी थी। इस दौरान बस में सवार बारातियों में अफरा तफरी मच गई। उनकी सांसे अटक गई थी, हालांकि गनीमत रही कि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा।

मिली जानकारी के अनुसार बारातियों से भरी एक बस बुधवार की सुबह वीर कुंवर सिंह चौक से होते हुए पीपी रोड में जो रही थी। जैसे ही यह बस मेथोडिस्ट चर्च के पास से गुजर रही थी कि सड़क किनारे स्थित 440 वोल्ट के लटकते तार में बस का छत छू गया। जैसे ही बस की छत उस करंट प्रवाहित तार से टकराई कि शार्ट सर्किट होने लगा तथा तार से चिंगारिया निकलने लगी। स्थानीय लोगों ने शोर मचा इसकी जानकारी बस चालक को दी। जानकारी मिलते ही बारातियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, माजरा समझते ही ड्राइवर ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बस रोकी और सभी बाराती आनन-फानन में सुरक्षित बस से नीचे उतर गए। तबतक तार के संपर्क में आने से बस के छत पर आग पकड़ चुकी थी।स्थानीय लोगों ने भी मौके पर अपनी सुझ-बूझ का परिचय दिया तथा आग पर धूल और राख डालकर उसे बुझाने की कोशिश करने लगे लेकिन बिजली का प्रवाह जारी था। इसके बाद लोगों ने बिजली के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद लाइन काटी गई और लोगों ने राहत की सांस ली।

बलिया के नागरा से आई थी बारात : बस में सवार लोगों ने बताया कि वे बलिया जिले के नागरा से बारात में बक्सर जिले के किसी गांव में मंगलवार की शाम आए थे। शादी संपन्न होने के बाद बुधवार की सुबह जब बाराती लौट रहे थे। इस दौरान बस चालक रास्ता भटककर बाईपास सड़क से निकलने के बजाय शहर में प्रवेश कर गया।

जिले में सबसे अधिक चक्की व सिमरी प्रखंड की महिलाओं की रही भागीदारी

जिला में मनरेगा के तहत महिलाओं की भागीदारी 52 फीसदी पहुंची, मिला रोजगार

- जिले में 147652 एक्टिव कार्डधारी, 107207 को मिला काम

केटी न्यूज/डुमरांव

मनरेगा योजना में पुरुष के आधा महिलाओं को काम देने की योजना बनाई गई है। बक्सर जिला में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 52 फीसदी तक इनकी सहभागिता पहुंच गयी है। जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दशांता है। मनरेगा योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं है। मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो अब 52 फीसदी तक पहुंच गई है या आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि महिलाएं, अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं और अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए काम कर रही हैं। हालांकि महिलाओं का काम करने का आकंड़ा कुछ पंचायत में ही देखने को मिलता है। जबकि अधिकांश पंचायत में यह आंकड़ा कागजों पर ही दौड़ रहा है।

-काम मिलने की दर में हुई है वृद्धि

जिले में जॉब कार्डधारियों की संख्या में वृद्धि हुई हैं। जिले में कुल एक्टिव जॉब कार्डचारियों की संख्या 147652 है, जिनमें से 107319 कार्डचारियों ने काम की मांग की है। इसमें से 107207 जॉब कार्डधारियों को काम मिला भी है। जोकि एक अच्छा आंकड़ा है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि मनरेगा के तहत जॉब कार्डधारियों को काम मिलने की दर में वृद्धि हुई है।

गरीबों को रोजगार देने में मनरेगा की बड़ी उपलब्धि: 2024-25 में मनरेगा के तहत कुल 4803717 मानव दिवस सृजन की उपलब्धि एक महत्वपूर्ण और अच्छी खबर है। इस उपलब्धि से यह पता बलता है कि मनरेगा के वहत ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने के प्रयास सकल हो रहे हैं। यह उपलब्धि न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने में मदद करेगी, बल्कि यह गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी मदद करेंगी। वही इन दोनों पीएम आवास योजना का भी निर्माण हो रहा है। जिसमें मनरेगा योजना के तहत मजदूरों का भुगतान किया जा रहा है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING,Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

कोरानसराय-चौगाईं मार्ग पर ट्रकों की लगातार संख्या बढ़ने से हो रही हैं दुर्घटनाएं

- नो एंट्री से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग कर रहे है ट्रक चालक
- कोरानसराय के बड़ी नहर मोड़ से खेवली के रास्ते कृष्णाब्रह्म व चौगाईं के रास्ते बगेन की तरफ निकल जाते है भारी वाहन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव-चौगाईं मार्ग पर मंगलवार को टेलर की चपेट में आने से दो किशोरो की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद लोगों में जहां आक्रोश है, वहीं इस मार्ग पर ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों के परिचालन में आई बढ़ोतरी को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। बता दें कि पिछले महीना भी कोरानसराय चौगाईं मार्ग पर मुरार से थोड़ा पहले समाधि स्थल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने दो युवकों को रौंद दिया था, जिससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई थी। इसके अलावे भी हाल के दिनों में इस मार्ग पर कई अन्य दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। जिससे एक तरफ लोगों का आक्रोश बढ़ते जा रहा है तो दूसरी तरफ लोगों में इस बात की

चर्चा भी हो रही है इस मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश बढ़ गया है, जिस कारण दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ गई है। जानकारों का कहना है कि डुमरांव में नो एंट्री से बचने के लिए दिन में ट्रक चालक इस मार्ग का उपयोग कर रहे है। ट्रक चालक या तो कोरानसराय के बड़ी नहर पुल से खेवली के रास्ते कृष्णाब्रह्म में जाकर एनएच 922 पर पहुंच रहे है या फिर चौगाईं से एकरासी होते हुए बगेन की तरफ निकल जा रहे है। बता दें कि डुमरांव नगर परिषद इलाके में दिन में नो एंट्री लागू है। इसके तहत सुबह आठ बजे से लेकर रात 10 बजे तक ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहता है। इस दौरान ट्रक चालक या तो डुमरांव बिक्रमगंज पथ के किनारे पूरे दिन अपना वाहन खड़ी कर नो एंट्री टूटने का इंतजार करते है या फिर पूरे वैकल्पिक मार्गों के सहारे अपने गंतव्य की ओर रवाना होते है। यहां बता दें कि अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए ट्रक चालक जिन वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर रहे है, उसकी चौड़ाई राष्ट्रीय राजमार्ग व स्टेट हाईवे से काफी कम है, जिस कारण अक्सर दुर्घटनाएं हो रही है।

खेवली मोड़ पर बैरियर लगाने की उठने लगी है आवाज

डुमरांव। इस पथ पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बाद लोगों ने कोरानसराय बड़ी नहर पुल के पास से शुरू होने वाले खेवली मार्ग पर बैरियर लगाने की मांग करनी शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि यदि इस जगह पर बैरियर लगा दिया गया तो इस मार्ग से ट्रकों का परिचालन नहीं हो पाएगा तथा दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ ही सड़क का अस्तित्व भी बच जाएगा।कोरानसराय निवासी बिपीन कुमार, भाजपा नेता संतोष दूबे, दयाशंकर तिवारी, कचईनियां के धर्मेन्द्र पांडेय, विनोद यादव समेत दर्जनों लोगों ने जिला प्रशासन व परिवहन विभाग से खेवली मोड़ पर बैरियर लगा भारी वाहनों के प्रवेश रोकने की मांग की है। पूर्व में थानाध्यक्ष कर चुके है मांग वहीं, कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व जिला मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान मैने जिला परिवहन पदाधिकारी से कोरानसराय बड़ी नहर पुल के पास खेवली मोड़ पर बैरियर लगाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि यहां जल्दी ही बैरियर लगाया जाएगा। थानाध्यक्ष ने भी माना कि नो एंट्री से बचने के लिए अधिकतर ट्रक चालक इस मार्ग का उपयोग कर रहे है, जिस कारण दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। सड़कों का अस्तित्व भी हो रहा है चौपटदूसरी तरफ इन मार्गों ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों के प्रवेश से ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों का अस्तित्व भी चौपट हो रहा है। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़क भारी वाहनों के वजन क्षमता के अनुरूप नहीं बनाई जाती है, जिस कारण भारी वाहनों के परिचालन से सड़के जल्दी टूटती है। जाम में चार चक्का वाहन से लेकर बड़े वाहन फंसे रह रहे है। कई घंटे तक रोड पर रहे है। जिसे लेकर बिहार सीमा में काफी संख्या में बालू लदे वाहन 11 बजे तक खड़े हो जाते है। इस दौरान कड़ी धूप में आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

देर रात चोरों ने दिया घटना को अंजाम, सुबह पीड़ितों को मिली जानकारी

फफदर गांव में चोर 3 लाख के गहने व सवा लाख नगद ले उड़े

- एक कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दूसरे कमरे में रखे आभूषण व नगदी पर किया हाथ साफ

केटी न्यूज/चौगाई

मुरार थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। चोरों ने पुलिस की रात्रि गश्त को धत्ता बताते हुए इस थाना क्षेत्र में चोरी की एक और भीषण घटना को अंजाम दिया है। इस बार चोरों का निशाना बना फफदर गांव का स्व. बीर बहादूर यादव का घर। मंगलवार की रात चोरों ने उनके घर से तीन लाख रूपए मूल्य के आभूषण व सवा लाख रूपए नगद चुरा लिए। घटना के वक्त घर में स्व. वीरबहादूर की विधवा तिलेश्वरी देवी एक कमरे में सो रही थी, जबकि दूसरे कमरे में बक्से का ताला तोड़ आभूषण व नगद रूपए चुरा लिए। इस दौरान चोरों ने जिस कमरे में तिलेश्वरी सो रही थी, उसके दरवाजे की कुंडी को बाहर से बंद कर दिया था तथा दूसरे कमरे का ताला तोड़ आराम से इस वारदात को अंजाम दिया। जबकि उसका बेटा रात में बोरिंग पर सोने चला गया था। सुबह करीब तीन बजे जब पीड़िता की नींद खुली तथा वह शौच जाने के लिए कमरे से बाहर निकलना चाही तो दरवाज बाहर से बंद मिला। इसके बाद वह अपने बेटे को कई बार आवाज दी, लेकिन बेटा घर में मौजूद नहीं होने के कारण उसकी आवाज नहीं सुन सका। सुबह में जब बेटे की नींद खुली तथा वह घर आया तो देखा कि उसकी मां जिस कमरे में सो रही है उसका दरवाजा बाहर से बंद है तथा दूसरे कमरे का ताला टूटा है।

तब जाकर पीड़ित परिवार को चोरी की बात समझ में आई। उसके पुत्र ने सबसे पहले अपनी मां के कमरे की बंद कुंडी को खोल उसे बाहर निकाला तथा चोरी वाले कमरे का मुआयना करने के साथ ही स्थानीय पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही मुरार थाने की पुलिस फफदर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है। चोरी की इस वारदात के बाद पीड़ित परिवार में मायूशी छाई है। तिलेश्वरी की मानें तो वह अपने पुत्र की शादी के लिए आभूषण बनवाकर रखी थी।

नगदी भी वह पुत्र की शादी के लिए इकट्ठा कर रही थी, लेकिन चोरों ने उसके अरमान पर पानी फेर दिया है। जिस कारण वह फूट-फूट कर रो रही थी। इस मामले में पीड़िता ने मुरार थाने को आवेदन दे अज्ञात चोरों पर चोरी करने का अरोप लगाया है।

पूर्व में भी हो चुकी है चोरी की कई घटनाएं : हाल के दिनों में मुरार थाना क्षेत्र में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है, जिसका उद्भेदन पुलिस नहीं कर पाई है कि चोरों ने एक बार फिर से फफदर में चोरी कर पुलिस को तगड़ी चुनौती पेश की है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही चोरों ने दंगौली गांव में भी चोरी की भीषण घटना को अंजाम दे लाखों रूपए मूल्य के आभूषण व नगदी चुरा लिए थे। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने बताया कि पुलिस ने इस घटना को काफी गंभीरता से लिया है। इस घटना में संलिप्त चोरों का पता लगाया जा रहा है। जल्दी ही इस घटना में शामिल चोरों को पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए टीम गठित की गई है। जल्द ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

बारात में घोड़ा लेकर आए युवक से दूसरे घुड़सवारों ने की मारपीट

डुमरांव। डुमरांव में एक बरात के दौरान मामूली विवाद में एक घुड़सवार की दो घुड़सवारों ने मिलकर पिटाई कर दी। पीड़ित ने इस मामले में दोनों के खिलाफ डुमरांव थाने में एफआईआर दर्ज कराया है तथा उनपर मारपीट करने के साथ ही 10 हजार नगद व सोने का लॉकेट छिनने तथा जान से मारने की धमकी देने का अरोप भी लगाया है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित लाखनडिहरा निवासी ऋषिकेश दुबे ने स्थानीय थाने में दिए आवेदन में जिक्र किया है कि वह तीन जून की शाम करीब 6 बजे डुमरांव निवासी शिवजी चौधरी की बेटी की बारात में घोड़ा लेकर शामिल हुआ था। बरात गुल ट्रेनिंग स्कूल के पास रुकी थी, जहां अरैला निवासी भोला यादव और बच्चा राय भी अपने घोड़े लाए थे। अचानक भोला यादव ने उसे घोड़े से खींचकर लाठी से मारना शुरू कर दिया। इसी दौरान बच्चा राय ने भी घोड़े की चाबुक से हमला कर दिया। पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया गया कि मारपीट में पीड़ित को सिर, छाती, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह बेहोश हो गया। आरोप है कि इसी दौरान जेब से 10 हजार नकद और सोने की लॉकेट भी निकाल ली गई। प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से मंदिर में की शादी, बनाया शारीरिक संबंध, पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

- आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छपेमारी कर रही है पुलिस
- घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में हुई घटित

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

एक नाबालिग के प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को शादी का झांसा दे मध्य रात्रि घर से बुला गांव के ही शिव मंदिर में ले जाकर उसकी मांग में सिंदूर डाल उसे अपने घर ले जा हवस का शिकार बना लिया तथा सुबह में उसे यह समझाकर घर भेज दिया कि कुछ दिन के बाद तुम्हे अपने साथ रखूंगा, लेकिन जब लड़की के घर वाले उसके घर पहुंच कहे कि जब तुम शादी कर ही लिए हो तो इसे अपने घर ले जाओ तो वह शादी की बात से मुकर गया। इसके बाद पीड़िता ने कृष्णाब्रह्म थाने में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई।

एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस मामले की जांच व आरोपी के धर पकड़ में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों के बीच एक महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बीच दो जून की रात 11 बजे प्रेमी ने उसे फोन कर घर से बाहर बुलाया तथा गांव के ही शिव मंदिर में ले जाकर उसके मांग में सिंदूर डाल दिया तथा अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर सुबह में वह उसे समझा कर उसके घर भेज दिया, हालांकि जब घरवालों को जानकारी हुई तथा वे लड़के के घर पहुंचे तथा इस बात से पर्दा उठा कि वह सिर्फ अपनी हवस पूरी करने के लिए शादी का नाटक किया था। इसके बाद उसने शादी करने से इंकार कर दिया था। परिजनों ने उसे समझाने की पूरी कोशिश की थी।

लड़की के परिजनों के सामने वह शादी से मुकर गया तथा इसके बाद घर छोड़ फरार हो गया है। इस मामले में पीड़िता के बयान पर रेहिया गांव निवासी राहुल सिंह के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए बक्सर भेजा गया है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि उसे जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, प्रेमी द्वारा धोखा दिए जाने के बाद से पीड़िता सदमे में है।

उप मुख्य पार्षद व वार्ड पार्षद के लिए दाखिल किए दो-दो नामांकन

बक्सर। बक्सर नगर परिषद में उप मुख्य पार्षद और वार्ड संख्या 20 के पार्षद पद के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। इस बीच उप मुख्य पार्षद पद के लिए बुधवार को दो तथा वार्ड पार्षद पद के दो नामांकन पत्र दाखिल किए गए। गहमागहमी के बीच पहुंचे अभ्यर्थियों ने सदर अनुमंडल कार्यालय स्थित निवार्ची पदाधिकारी अविनाश कुमार के कार्यालय कक्ष में अपने-अपने नामजदगी का पर्चा दाखिल किए। उप मुख्य पार्षद पद के लिए शहर के गजारधरगंज की अंजली देवी उर्फ अंजली गुप्ता एवं निरंजनपुर मुहल्ले की संजू देवी तथा वार्ड संख्या 20 से वार्ड पार्षद पद हेतु गजाधरगंज मुहल्ले की रेनू देवी व उसी मुहल्ले की सपना देवी ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया। इसी के साथ ही उप मुख्य पार्षद व वार्ड पार्षद पद के लिए चार-चार नामांकन कार्यालय को प्राप्त हो गए हैं।

नामांकन के बाद समर्थकों ने अभ्यर्थियों को फूल-मालाओं से लाद दिया तथा उनके समर्थन में नारे लगाए। नामांकन दाखिल करने वाली अंजली देवी पूर्व वार्ड पार्षद डब्बू गुप्ता की पत्नी तथा मौजूदा वार्ड पार्षद की पुत्र वधू है।

चौसा प्रखंड के कर्तव्य के प्रति लापरवाह 116 शिक्षकों पर हुई कार्रवाई

- शिक्षा विभाग की शुरू हुई इस कारवाई से प्रखंड के साथ ही जिले के शिक्षकों में हड़कंप, अब तक जिले के कुल 473 शिक्षकों पर हुई है कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में चौथी लिस्ट कारवाई की बुधवार को जारी की गई है। चौथी सूचि में चौसा प्रखंड के शिक्षकों पर कारवाई की गई है। चौसा प्रखंड में 116 शिक्षकों पर कारवाई की गई है। शिक्षा विभाग ने चौसा प्रखंड के शिक्षकों पर सामुहिक रूप से कारवाई करते हुए स्पष्टीकरण किया गया है। इससे जिले के शिक्षकों में काफी भय कामय हो गया है। विभाग से जारी पत्र के माध्यम से चौसा प्रखंड के कुल 116 शिक्षकों पर कारवाई करते हुए स्पष्टीकरण किया गया है। स्पष्टीकरण डीपीओ स्थापना विष्णुकांत राय ने पत्र जारी कर किया है. पत्र के माध्यम से शिक्षक के रूप में दायित्व निर्वहन नहीं किये जाने, विभाग को गुमराह करने तथा बिना कार्य किये वेतन प्राप्त करने का प्रयास किये जाने का आरोप लगाया गया है। स्पष्टीकरण जिले के चौसा प्रखंड के 116 शिक्षकों पर किया गया है। इस तरह जिले में पिछले एक सप्ताह के अंदर कुल चार तिथियों में शैक्षणिक लापरवाही को ले 473 शिक्षकों पर कारवाई की गई है। वहीं इसके पूर्व 31 मई को इटाढ़ी प्रखंड के 43, चक्की प्रखंड के 56, केसठ प्रखंड के 72 शिक्षकों पर कारवाई किया गया है. इसके साथ ही 29 मई को जिले के विभिन्न प्रखंडों के कुल 62 शिक्षकों एवं 2 जून को बक्सर सदर प्रखंड के 124 शिक्षकों पर कारवाई की गई है. शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिति को लेकर विभाग ने ई-शिक्षा कोष ऐप पार्टल के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करायेंगे। ई-शिक्षा कोष ऐप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने के मामले में विभाग ने सख्त कदम उठाना शुरू किया है। विभाग से विद्यालयों में शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसके बावजूद शिक्षक आदतन विद्यालय से बहार रहने के बावजूद फर्जी तरीके से उपस्थिति दर्ज किया गया है। यह शिक्षकों की कारनामा विभाग के सूक्ष्म रूप से किये गये जांच के दौरान पकड़ में आया है। जिसके तहत बुधवार को शिक्षा विभाग ने बड़े पैमाने पर कारवाई किया है। ई-शिक्षा कोष ऐप पर शिक्षकों के प्रतिदिन विद्यालय पहुंचने एवं विद्यालय से प्रस्थान का दर्ज किये जाने वाले समयावधि तथा मोबाईल कैमरे द्वारा प्रविष्टि फोटो के सूक्ष्म जांच के क्रम में पाया गया कि संबंधित शिक्षकों द्वारा कई कार्य दिवसों को विद्यालय में बिना उपस्थिति के ही फर्जी ढंग से पूर्व से खीचें हुए फोटो के माध्यम ई-शिक्षा कोष ऐप पर उपस्थिति दर्ज किया जा रहा है। कई दिवसों को मनमाने तरीके से उपस्थिति दर्ज ही नहीं किया जा रहा है। निर्धारित समय के विपरीत उपस्थिति दर्ज की जा रही है। विद्यालय छोड़ते समय ई-शिक्षा कोष पर उपस्थिति दर्ज नहीं की जा रही है। जिससे परिलक्षित होता है कि आपके द्वारा नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित हुए बिना ही फर्जी ढंग से उपस्थिति बनाकर या अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते हुए विद्यालय उपस्थिति पंजी में उपस्थिति बनाकर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का कार्य किया जा रहा है, जो आपके स्वेच्छाचारिता एवं दायित्व निर्वहन में घोर अनियमितता का परिचायक है। आपके इस कुकृत्य प्रयास से विद्यालय में पठन-पाठन के वातावरण को पूर्णतया दूषित किये जाने की संभवना से इंकार नहीं किया जा सकता है। आप सभी के इस प्रकार के कार्य में मिली भगत एवं एक दूसरे का सहयोग प्रभारी प्रधानाध्यापक के नेतृत्व क्षमता तथा भूमिका पर गहरा प्रश्न चिन्ह है। साक्ष्य के रूप में आपके माध्यम से माह मई 2025 में ई-शिक्षा कोष ऐप पर दर्ज उपस्थिति विवरणी पत्र के साथ संलग्न करते हुए निदेश दिया जाता है कि अचूक रूप से पत्र प्राप्ति के साथ ही उक्त अनियमितता के संबंध में विद्यालय प्रधान के माध्यम से उनके मंतव्य सहित अपना स्पष्टीकरण तीन दिन के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। क्यों नहीं आपको एक शिक्षक के रूप में दायित्व निर्वहन नहीं किये जाने, विभाग को गुमराह करने तथा बिना कार्य किये वेतन प्राप्त करने का प्रयास किये जाने के आरोप में आपके सेवा समाप्ति हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जाय. वहीं बक्सर प्रंखड में व्यापक पैमाने पर कारवाई की गई है। इसमें जिला मुख्यालय के शिक्षक भी शामिल है. जिन शिक्षकों पर कारवाई की गई है उसमें हेमदास चौधरी, आदर्श उ.वि. चौसा, कमलेश पाठक, आदर्श उ.वि. चौसा, मो. आशीफ, आदर्श उ.वि. चौसा, विजय कुमार, आदर्श उ.वि. चौसा, अमर नाथ दूबे, प्रोजेक्ट बालिका चौसा, अविनाश कुमार, प्रोजेक्ट बालिका चौसा, अन्नपूर्णा कुमारी, बालिका म.वि. चौसा, दीक्षा सिंह, बालिका म.वि. चौसा, प्रीती कुमारी, बालिका म.वि. चौसा, रीमा कुमारी, बालिका म.वि. चौसा, प्रमोद कुमार, म.वि. अखौरीपुर गोला, चौसा, डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद, म.वि. चौसा, दीपशेखर तिवारी, म.वि. महुआरी, चौसा, शशीभूषण प्रसाद, म.वि. महुआरी, चौसा, आनन्द कुमार सिंह, म.वि. नस्बतपुर, चौसा, तृप्ती राय, म.वि. नरबतपुर, चौसा, सरफराज अहमद, नवसृजित प्रा.वि. शरीफपुर, चौसा, सुशील कुमार रसतौगी, प्रा.वि. गरौना, चौसा, अवधेश कुमार विश्वकर्मा, प्रा.वि. हादीपुर, चौसा, कुमारी रिंकू रावत, प्रा.वि. हादीपुर, चौसा, कुसुम श्रीवास्तव, प्रा.वि. हादीपुर, चौसा, कुमारी रिंकू रावत, प्रा.वि. हादीपुर, चौसा, अजीत चौधरी, प्रा.वि. जोकही, चौसा, प्रमोद कुमार, प्रा.वि. जोकही, चौसा, आशुतोष कुमार सक्सेना, उत्क्र. उ.वि. चुन्नी, चौसा, रश्मि कुमारी, उत्क्र.उ.वि. चुन्नी, चौसा, रीना सिंह, उत्क्र.उ.वि. चुन्नी, चौसा, टीना राय, उत्क.उ.वि. चुन्नी, चौसा, मंजू कुमारी, उत्क्र.उ.वि. पवनी, चौसा, अशोक कुमार यादव, कन्या म.वि. डिहरी, चौसा, रजनी किसन, कन्या म.वि. डिहरी, चौसा, अमृता कुमारी, म.वि. सौरी, चौरस, अनील कुमार चौबे, प्रा.वि. पलियों, चौसा, कृष्णा कुमार, प्रा.वि. राजापुर, चौसा, पूनम कुमारी, अनु.प्रा.वि. सोनपा, कुलसुम खातून, उर्दू प्रा.वि. बुढ़ाडीह, निकहत परवीन, उर्दू प्रा.वि. बुढ़ाडीह, शकीला बानो, उर्दू प्रा.वि. बुढ़ाडीह, अभिनन्दन, म.वि. निकरिस, जनार्दन ठाकूर, म.वि. निकरिस, कुमारी पूजा यादव, म.वि. निकरिस, लियाकत अली, म.वि. निकरिस, नेहा गुप्ता, म.वि. निकरिस, रीता कुमारी, म.वि. निकरिस, रूबीना बानो म.वि. निकरिस, कुमारी सीमा रानी, म.वि. रामपुर, पूनिता सिन्हा, म.वि. रामपुर, विपिन कुमार, म.वि. रामपुर, चन्दन कुमार, एन.पी.एस. लदई डेरा, मो. अमीर हसन, एन.पी.एस. लदई डेरा, नीतीश कुमार, प्रा.वि. देवीडीहरा, सुनैना कुमारी, प्रा.वि. देवीडीहरा, अशु कुमारी, प्रा.वि. नवर, अनू, उत्क.उ.वि. सघरा, कुसुम यादव, उत्क्र.उ.वि. सघरा, नंद किशोर राम, उत्क्र.उ.वि. सघरा, राकेश कुमार राम, उर्दू प्रा.वि. खड़गपुरा, अमीत कुमार, उ.वि. सिकरौल जलीलपुर, बलराम कुमार, उ.वि. सिकरौल जलीलपुर सहित अन्य शामिल है।

विशेष अभियान में 20 शस्त्रों का हुआ सत्यापन

डुमरांव। डुमरांव थाना में आयोजित तीन दिवसीय विशेष लाइसेंस सत्यापन अभियान का समापन बुधवार को हो गया। अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्र के कुल 20 शस्त्रधारियों के लाइसेंस का सत्यापन किया गया। शिविर में बतौर मजिस्ट्रेट कार्यपालक दंडाधिकारी मौजूद रहे। उनके नेतृत्व में ही हथियारों का सत्यापन किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इस विशेष शिविर में भी जिन लाइसेंस धारियों ने अपने शस्त्रों का सत्यापन नहीं कराया है, उन्हें नोटिस भेज इस बात की जानकारी ली जाएगी कि उन्होंने क्यों नहीं अपने शस्त्रों का सत्यापन करवाया है तथा जवाब नहीं देने पर उनके शस्त्रों के लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आरा में हथियारबंद अपराधियों ने ट्रक चालक को मारी गोली

- जख्मी चालक का आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज
- घटना का कारण स्पष्ट नहीं, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव में बुधवार की अहले सुबह हथियारबंद अपराधियों ने ट्रक चालक को गोली मार दी। जख्मी चालक को गोली मुंह में मारी गई है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद पर परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी चालक इमादपुर थाना क्षेत्र के जगजीवनपुरा गांव निवासी संजय सिंह का 22 वर्षीय पुत्र अमरेंद्र सिंह है एवं वह पेशे से ट्रक चालक है। उधर घटना की सूचना मिलते ही चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए है।

जबकि इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक डॉ.विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी युवक को गोली मुंह में लगी थी जो पीछे गर्दन में आकर फस गई थी। गोली लगने के कारण उसके मुंह का इंटरनल पार्ट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है और उसके डैमेज पाट्र्स को रिपेयर कर ब्लड को सिक्योर कर दिया गया है। अभी मरीज की स्थिति स्टेबल है पर उसे अभी ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। इधर जख्मी चालक के ससुर रंजीत सिंह ने बताया कि वह बराबर इमादपुर थाना क्षेत्र के धोकरहां गांव स्थित बालू घाट से ट्रक पर बालू लोड कर अलग-अलग जगह बालू गिरने के लिए जाता है। बुधवार की अहले सुबह भी वह धोकरहां बालू घाट से अपने अन्य ट्रक साथियों के साथ ट्रक पर बालू लोड कर उसे गिराने चरपोखरी गया था। लौटने के क्रम में कोयल गांव में अपराधियों द्वारा उसे गोली मार दी गई। इसके बाद उसके साथ रहे अन्य ट्रक साथी चालको द्वारा फोन कर उन्हें सूचना दी गई कि उसे गोली मार दी गई है और हमलोग उसे लेकर फतेहपुर लेकर आ रहे है। जिसके बाद वह अपने स्कॉर्पियो गाड़ी से फतेहपुर पहुंचे और उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल ले आए। हालांकि ट्रक चालक को गोली किसने और क्यों मारी। इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वही चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में पूर्व की दुश्मनी को लेकर ट्रक चालक को गोली मारने की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फांसी लगाकर महिला ने की आत्महत्या

- परिजन ने ससुराल वालों पर बुलेट की मांग को लेकर लगाया हत्या का आरोप

केटी न्यूज/आरा

जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी गांव में बुधवार की सुबह फांसी लगाकर एक महिला की हत्या कर दी गई। मृतक के शरीर में बाएं तरफ गर्दन सहित कान के नीचे गले पर काला,नीला निशान एवं गर्दन के दाहिने तरफ भी काला नीला निशान पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा ससुराल वालों पर बुलेट की मांग को लेकर से फांसी लगाकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतका कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी गांव वार्ड नंबर 7 निवासी कमेन्द्र यादव की 26 वर्षीय पत्नी सीता देवी है। इधर मृतका के ममेरे भाई रोहित कुमार ने बताया की पांच वर्ष पूर्व सकड्डी गांव के रिश्तेदार के यहां दोनों के बीच संपर्क हुआ था और धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चलने लगा। के साल प्रेम-प्रसंग चलने के बाद वर्ष 2021 में दोनों ने पवना गांव स्थित मंदिर में शादी हुई थी। शादी के करीब एक वर्ष बाद दहेज में बुलेट व पैसे की मांग किया जाने लगा। जिसके बाद उन लोगों ने बोला कि ठीक है हम लोग दे देंगे। इसके बाद उनके द्वारा उसके ससुराल वाले को एक साल पहले लगभग एक लाख रुपए से अधिक दे भी दिया था। कुछ दिन पूर्व उसका उसके पति से फोन पर झगड़ा हुआ। उसके बाद उसकी सास भी उससे झगड़ा की। मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे उसके भाई अरुण पर उसने कॉल किया और बोला कि उसके साथ ससुराल वालो ने मारपीट की है। जब उसकी बहन नहीं दिखाई तो उसने फिर ससुराल वालों से पूछा तो उन्होंने कहा कि वह चौकी से गिर गई थी और वह अस्पताल में भर्ती है। एक ग्रामीण द्वारा उसे सूचना मिली के उसकी बहन की हालत काफी सीरियस है। जिसके बाद बुधवार की सुबह जब वह उसके ससुराल सकड्डी गांव पहुंचा तो उसने देखा कि वह पलंग पर मृत अवस्था में पड़ी है और उसके ससुराल के सभी लोग फरार हैं।

भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटकी सनदिया गांव में हुई दर्दनाक घटना

निकलने वाली थी बारात, निकल गई अर्थी, पेड़ से लटका मिला दूल्हे का शव

- संजीत ने फोन पर अपनी मंगेतर से बात की थी। जो कपड़े खरीदे थे, उनकी तस्वीरें भी भेजी थी
- घटना का कारण स्पष्ट नहीं, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

आरा जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां शादी से महज तीन घंटे पहले दूल्हे ने आत्महत्या कर ली। संजीत कुमार, जो पटना के दीघा में कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर था, बुधवार को बारात निकलने की तैयारी कर रहा था।

उसने न सिर्फ अपने लिए शादी की शॉपिंग की थी, बल्कि होने वाली पत्नी को नए कपड़ों की तस्वीर भी भेजी थी। लेकिन उसी दोपहर उसका शव गांव के पास आम के बगीचे में पेड़ से लटका मिला। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

बचपन के दोस्त से हुई आखिरी बातचीत

घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटकी सनदिया गांव की है। संजीत (30), स्व. भुनेश्वर यादव का छोटा बेटा था। परिजनों के मुताबिक, वह घर से अचानक निकल गया था। उसी समय गांव का एक 9 साल का लड़का आम तोड़ने गया था। वहीं उसकी संजीत से मुलाकात हुई। दोनों ने एक-दूसरे से आम के बहाने बातचीत की, लेकिन जब लड़का कुछ देर के लिए वहां से हटा, संजीत ने फांसी लगा ली। लड़के ने शोर मचाया, तब जाकर लोग मौके पर पहुंचे।

हाथ पर लिखा था दुल्हनिया का नाम :

शव की तलाशी लेने पर हाथ पर पूजा नाम लिखा मिला, जो कि उसकी होने वाली पत्नी का नाम है। परिवार वालों का कहना है कि सुबह संजीत ने फोन पर अपनी मंगेतर से बात की थी। जो कपड़े खरीदे थे, उनकी तस्वीरें भी भेजी थीं। घर में सभी लोग शादी की रस्में निपटाने और बारात निकलने की तैयारी में जुटे थे।प ारिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से किया इंकार घटना के बाद परिजन उसे तुरंत सदर अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. परिवार ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया. संजीत तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसकी बहन पूनम देवी और भाई रंजीत कुमार हैं। शादी को लेकर घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन अचानक यह घटना सब कुछ खत्म कर गई।

अब भी रहस्य है मौत की वजह : परिजनों को कुछ भी समझ नहीं आ रहा है कि सब कुछ सामान्य होते हुए भी संजीत ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया। जिस लड़के ने अंतिम बार उससे बात की थी, वह भी सदमे में है और अब उसकी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। परिवार की माने तो बाराती निकलने से पहले एक-दो रस्म होने वाली थी। सब प्लानिंग कर रखी थी कि बारात जल्दी ही निकाल देंगे, ताकि दुल्हन के घर पहुंचने में देरी नहीं हो। इसी बीच संजीत घर से कब निकला और बगीचे में पहुंचा, किसी ने नहीं देखा। अचानक उसकी मौत की सूचना मिली। बाराती की सारी तैयारियां रुक गई। संजीत कुमार पटना के दीघा कंस्ट्रक्शन कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर काम था।

सेवानिवृत बीएमपी हवलदार हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

काराकाट। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमुआ बाल पर रिटायर्ड बीएमपी हवलदार अंबिका पांडेय के हत्या मामले में पुलिस ने हत्यारे को 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब हो कि अरूण पांडेय के हाता में संदिग्ध अवस्था में रिटायर्ड बीएमपी हवलदार 80वर्षीय अंबिका पांडेय शव बरामद किया गया। सूचना मिलते ही काराकाट पुलिस एवं थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों से पूछताछ कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। पुलिस टीम द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया तथा विधिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी भागीरथ कुमार ने शीघ्र ही अभियुक्त की गिरफ्तारी की बातें कही थी। जिसके परिणाम स्वरूप 12 घंटे के अंदर थाना प्रभारी भागीरथ कुमार ने हत्यारे जमुआ बाल निवासी विकेश पांडेय पिता अरूण पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया है। वही गिरफ्तार आरोपी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

बिक्रमगंज में मीटर बाइपास विद्युत चोरी में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज क्षेत्र अंतर्गत बिलिंग गुणवत्ता व स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का जांच करने हेतु एसटीएफ के नेतृत्व मे एक जांच दल का गठन किया गया। जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की परिसर मे लगे नॉर्मल मीटर के सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी जिसको लेकर चार लोगों पर जुर्माना के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। दर्ज प्राथमिकी मे नगर परिषद बिक्रमगंज के धनगाई निवासी दया शंकर सिंह पर 21901 रुपए, कोल्हा निवासी बीरबहादुर सिंह पर 61966 रुपये, दशरथ प्रसाद पर 16297 रुपये, योगेंद्र सिंह पर 19160 रुपये जुर्माना लगाया गया। उपरोक्त सभी उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति घरेलु, व्यवसायिक, ई-रिक्शा चार्ज, कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें।

एसडीएम व एसडीपीओ ने बकरीद पर्व को लेकर की शांति समिति की बैठक

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

स्थानीय बिक्रमगंज थाना परिसर में बुधवार को आगामी बकरीद पर्व को लेकर अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम प्रभात कुमार एवं डीएसपी कुमार संजय ने संयुक्त रूप से की। बैठक में सभी विभागों के पदाधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और बुद्धिजीवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि पर्व को पूरी श्रद्धा, आपसी भाईचारे और कानून व्यवस्था का पालन करते हुए मनाया जाएगा। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों ने त्योहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों को अधिकारियों के समक्ष रखा। बिजली, पानी, साफ-सफाई, सुरक्षात्मक उपायों और आवागमन की व्यवस्था को लेकर कई सुझाव और मांगें रखी गईं। एसडीएम प्रभात कुमार ने सभी की बातें गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि पर्व के दौरान हर आवश्यक सुविधा मुहैया कराई जाएगी। डीएसपी कुमार संजय ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती होगी।

अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रहे समोसा दुकानदार को कुचला, मौत

केटी न्यूज/आरा

आरा-अरवल मुख्य मार्ग पर जिले के पवना थाना क्षेत्र के पवना बाजार स्थित दुर्गा मंदिर के समीप बुधवार की सुबह अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रहे समोसा दुकानदार को कुचल दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव निवासी स्व. श्रीराम साह के 60 वर्षीय पुत्र अजय साह है। वह पेशे से समोसा दुकानदार थे एवं पवना बाजार पर ही समोसा का लगते थे। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर पवना बाजार पर शव को सड़क के बीच रख सड़क जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा करीब तीन घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई एवं आवागमन पूरी तरह ठप्प रहा। सड़क जाम की सूचना पाकर पवना थानाध्यक्ष थाना पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम को हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृतक के जीजा सुनील कुमार ने बताया कि प्रतिदिन की तरह बुधवार की सुबह भी वह पवना बाजार स्थित दुर्गा मंदिर में पूजा करने गए थे। पूजा करने के बाद वापस लौट क्रम में जब वह सड़क पार कर रहे थे। उसी दौरान अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया।जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे।

कार्यकर्ता चिराग पासवान के समक्ष मिशन बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का संकल्प लेंगे

नव संकल्प सभा में जुटेंगे लाखों लोग, होगा ऐतिहासिक कार्यक्रमः हुलास पांडेय

- आगामी 8 जून को आरा के रमना मैदान में लोजपा रामविलास पार्टी की होगी नव संकल्प सभा

केटी न्यूज/आरा

आगामी 8 जून को आरा के रमना मैदान में लोजपा रामविलास पार्टी के होने वाले नव संकल्प सभा मे लाखो की संख्या में लोग जुटेंगे। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। नव संकल्प सभा से बिहार के राजनीति को नई दिशा मिलेगी। लाखों की संख्या में जुटे लोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के समक्ष मिशन बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के लिए एक साथ संकल्प लेंगे। उक्त बातें पूर्व एमएलसी लोजपा रामविलास के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष हुलास पांडेय ने स्थानीय आरा परिषदन में मीडिया के साथियो को सम्बोधित करते हुए एक प्रेस वार्ता में कही। हुलास पांडेय ने कहा कि शाहाबाद वीरों की धरती है और यह शाहाबाद का मुख्यालय है। इस कार्यक्रम में शाहाबाद सहित सात जिलों के पार्टी के कार्यकर्ता, समर्थक और चिराग पासवान को चाहने वाले विशेषकर किसान, महिला, युवा और मजदूरो की भागीदारी रहेगी। नव संकल्प सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए पार्टी के पदाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। सभी जगह सभा का आयोजन भी हो रहा है। कार्यक्रम को लेकर सभी जगह उत्साह का माहौल है। बिहार और बिहारी हर कार्य मे अव्वल हो इसके लिए चिराग पासवान जी लगातार कार्य कर रहे है और पार्टी का यह मिशन है। इसी मिशन के तहत नव संकल्प सभा का आयोजन हो रहा। इन्होंने कहा कि अभी तक जहां भी इस कार्यक्रम का निमंत्रण देने गया, वहां लोग कार्यक्रम को लेकर उत्साहित है। कार्यक्रम में हर वर्ग हर धर्म के लोगो की भागीदारी देखने को मिलेगी। इन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर पार्टी के नेताओ के द्वारा जगह जगह होर्डिंग बैनर और तोरणद्वार बनाये जा रहे है। चिराग पासवान के कार्यक्रम को लेकर युवा वर्ग में विशेष उत्साह है। चुनाव के समय संविधान को लेकर विपक्षी दल के लोग जनता को गुमराह करने का प्रयास किए, हमारे पार्टी के नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस कार्यक्रम के बाद गांव गांव जाकर मतदाताओं को गुमराह से रोकने के लिए जनता से संवाद करेंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री की तस्वीर पर कालिख पोती

दुष्कर्म मामला

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मौत के मामले में विपक्ष का बवाल बढ़ता ही जा रहा है। कांग्रेस इस मामले को मुद्दा बनाकर नीतीश सरकार पर लगातार हमला बोल रही है। पटना में फिर से कांग्रेसियों ने बुधवार को प्रदर्शन किया। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के आवास का घेराव करने पहुंचे। यहां पहुंचे कर कांग्रेस के कार्यकताओं ने स्वास्थ्य मंत्री और एनडीए सरकार

के विरोध में जमकर नारेबाजी की। इतना ही नहीं स्वास्थ्य मंत्री के आवास के गेट पर लगे नेम प्लेट पर गोबर फेंका और उनकी तस्वीर पर कालिख पोत दी। इसके बाद कांग्रेसियों ने कहा कि सही समय पर इलाज न मिलने के कारण एक नाबालिग बच्ची की मौत हो गई। वह अस्पताल में ही तड़पती रही लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने लापरवाही बरती। इस कारण बच्ची की मौत हो गई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। साथ ही कहा कि एक मासूम की हत्या हुई है। इसके लिए उनका विभाग दोषी है। इसलिए फौरन वह अपना इस्तीफा दें।

इधर, कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस टीम पहुंची और कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को पीछे हटाने में जुट गई। हालांकि कांग्रेस नेताओं ने पुलिसकर्मियों की एक न सुनी और हंगामा करते ही रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण ऐसा हुआ है। कांग्रेसियों का आरोप है कि छह दिन तक वह बच्ची इलाज के लिए इधर-उधर भटकती रही। कभी उसे एसकेएमसीएच से पीएमसीएच भेजा गया, तो कभी पीएमसीएच से एम्स, इस दौरान बच्ची को कई घंटे एंबुलेंस में रहना पड़ा। एंबुलेंस में ऑक्सीजन की कमी थी, और जिस एंबुलेंस में बच्ची थी, वह नॉन-एसी थी। अंततः उस बच्ची ने सूबे के बड़े अस्पताल में बेड तक न मिलने और सही समय पर इलाज न होने के कारण एंबुलेंस में ही दम तोड़ दिया। इन सब के लिए स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था दोषी है। मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मौत मामले में नीतीश सरकार ने दो-दो बड़े अस्पताल प्रबंधन की गलती मानी है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के बाद पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक और श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मुजफ्फरपुर की अधीक्षक को हटा दिया गया है।

बिहार में तालिबान से भी बदतर स्थिति है: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

गया जिले के गुरपा गांव में मंगलवार को रेप पीड़िता के घर महिला का इलाज करने पहुंचे डॉक्टर को बदमाशों ने पेड़ से बांधकर जमकर पिटाई कर दी थी। इस खबर के बाद बुधवार को बिहार प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बिहार को तालिबान से तुलना करते हुए बिहार सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा है कि बिहार में तालिबान से भी बदतर स्थिति है।

दरअसल गया जिला में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने गए डॉक्टर को आरोपियों ने पेड़ से बांधकर पीट-पीट कर खून से लथपथ कर दिया। 20 वर्षों की भ्रष्ट एनडीए सरकार में पुलिस और प्रशासन अपराध रोकने, अपराधियों को पकड़ने, सजा एवं न्याय दिलाने में बिल्कुल असमर्थ है। इसलिए लोग अपनी मर्जी से कानून को हाथ में ले रहे हैं। दरअसल, मंगलवार को गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के गुरपा गांव में रेप पीड़िता की मां का इलाज करने के लिए एक ग्रामीण चिकित्सक उनके घर पहुंचे थे। उसी दौरान 10 से 12 की संख्या में बदमाशों ने डॉक्टर को पेड़ से बांधकर पिटाई की थी, जिसमें डॉक्टर बुरी तरह घायल हो गए थे। जब बदमाशों द्वारा डॉक्टर की पिटाई की जा रही थी, तब वहां के ग्रामीणों ने इसका वीडियो बना लिया था।

घटना की सूचना डायल 112 को मिली, जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस को देखकर रेप पीड़िता के परिजनों ने पूरी जानकारी दी। डायल 112 की पुलिस टीम ने पेड़ से बंधे घायल डॉक्टर जितेंद्र यादव को रस्सी से छुड़ाकर निकाला। घायल डॉक्टर को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

सीएम ने किया बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ

सौर ऊर्जा के उत्पादन से पारंपरिक ऊर्जा पर कम होगी निर्भरता: नीतीश

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना जिला अंतर्गत बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राज्य के विभिन्न नहरों, बांधों, नदी एवं तटबंधों के किनारे खाली पड़े स्थलों का सर्वे कराकर बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उत्पादन से पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण रहित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी एवं पर्यावरण संरक्षण में इसका लाभ मिलेगा। इस परियोजना के संचालन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और इससे आर्थिक लाभ भी होगा। उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में हमलोगों ने कई काम किए हैं।

राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि पटना जिला में विक्रम लॉक के समीप मुख्य नहर के किनारे जल संसाधन की भूमि पर दो मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना को स्थापित करने के लिये राज्य सरकार द्वारा राशि का वहन नहीं किया गया है। ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए एकरारनामा के तहत निजी कंपनी द्वारा 25 वर्षों के लिए 3.10 प्रति यूनिट की दर से बिजली, ऊर्जा विभाग को उपलब्ध करायी जाएगी।

जीविका दीदियों से कहा- अच्छा काम कर रही हैं

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जिलान्तर्गत अथमलगोला में 20.13 करोड़ रुपये लागत की प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय एवं आवासीय परिसर के नवनिर्मित भवनों का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अथमलगोला के नवनिर्मित जीविका भवन की चाबी जीविका दीदियों को सौंपी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से कहा कि आपलोग अच्छा काम कर रहीं हैं, इसी तरह काम करते रहिये। आपलोगों की सुविधाओं और सहूलियत का ध्यान सरकार रख रही है ताकि आपलोग आगे बढ़ें।

आवासीय +2 उच्च विद्यालय के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ: मुख्यमंत्री ने अथमलगोला में 45.90 करोड़ रुपये लागत की राजकीय अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इस भवन में प्रशासनिक भवन सहित विद्यालय भवन, 260+260 बेड का दो छात्रावास भवन एवं 20 शिक्षकों तथा अन्य कर्मियों के लिए आवास का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ में 72.79 करोड़ रुपये लागत की राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान के नवनिर्मित भवन का शिलान्यास अनावरण कर उद्घाटन किया।

बाढ़वासियों के लिए 100 बेड का नया अस्पताल भवन: मुख्यमंत्री ने बाढ़ में 24.70 करोड़ रुपये लागत की 100 बेड वाले नये अस्पताल भवन का फीता काटकर एवं शिलान्यास अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने अस्पताल के विभिन्न भागों- नर्सेज रूम, ओपीडी, भर्ती कक्ष आदि का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं और सुविधाओं की जानकारी ली।

मोकामा में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या

पटना। पटना के मोकामा प्रखंड के दरियापुर गांव में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपी है कि वह घर में चोरी की नीयत से घुसा था। इसके बाद घरवालों ने उसे पकड़ लिया और पीट-पीटकर उसे मार डाला। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, पुलिस जांच में जुट गई। है लोगों का कहना हे कि दरियापुर में चोरी की नियत से घर में घुसे एक युवक मोहम्मद नेयाज उर्फ बुलेट की पीट-पीट हत्या कर दी गयी। इस घटना के बाद गांव में दो पक्षों के बीच तनाव उत्पन्न हो गई है।

भूमिहार समुदाय के चर्चित नेता समेत 7 लोगों की हत्या मामले का वांछित हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

औरंगाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2013 में हुए चर्चित पिसाय ब्लास्ट कांड में वांछित हार्डकोर नक्सली कमलेश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह वही कांड है जिसमें भूमिहार समुदाय के चर्चित नेता सुशील पांडेय समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। विस्फोट इतना भयानक था कि मृतकों के शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो गया था। गिरफ्तार नक्सली कमलेश यादव रफीगंज प्रखंड के पड़राही गांव का निवासी है। पुलिस पिछले 12 वर्षों से उसे पकड़ने के लिए सक्रिय थी। बुधवार को उसे रफीगंज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषिराज ने बताया कि औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल के नेतृत्व मं. जिले को नक्सल और अपराध मुक्त बनाने को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खुफिया सूचना मिली थी कि कमलेश यादव रफीगंज इलाके में देखा गया है। सूचना मिलते ही विशेष टीम का गठन कर घेराबंदी की गई और सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान कमलेश को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में कमलेश यादव ने पिसाय ब्लास्ट सहित कई

नक्सली वारदातों में अपनी संलिप्तता कबूल की है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एसडीपीओ के मुताबिक, वर्ष 2013 में कमलेश यादव ने अपने साथियों के साथ मिलकर पथरा से पिसाय जाने वाली सड़क पर बारूदी सुरंग बिछाई थी। विस्फोट में सुशील पांडेय समेत सात लोग मौके पर ही मारे गए थे। इस वीभत्स घटना के बाद पूरे प्रदेश में सनसनी फैल गई थी। शवों की हालत ऐसी थी कि उन्हें पहचानने में भी पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। कमलेश यादव पर गोह थाना में दर्ज प्राथमिकी संख्या 140/13 के तहत आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 324, 337, 307, 326, 435, 427, 302, आर्म्स एक्ट की धारा 27, विस्फोटक अधिनियम की धारा 3/4, CLA एक्ट की धारा 17 तथा यूएपीए एक्ट की धारा 10 के तहत गंभीर आरोप दर्ज हैं।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

पटना। पिछले कुछ दिनों से शिक्षक अभ्यर्थी लगातार नीतीश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को बात इतनी बढ़ गई कि सैकड़ों शिक्षक अभ्यर्थी और शारीरिक शिक्षक सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को भी घेर लिया और हंगामा करने लगे।

इनलोगों का कहना है कि हमलोग पिछले कई समय से सरकार से अपनी समस्याओं के समाधान की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हो रही। शिक्षा मंत्री से भी कई बार अपील की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। शारीरिक शिक्षकों का कहना है कि हमलोगों को केवल 8000 रुपये वेतन दिया जा रहा है, जो कि उनके कार्य के अनुरूप नहीं है। इसलिए हमलोग मानदेय बढ़ाने और स्थाईकरण की मांग कर रहे है। लेकिन, सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

राज्य सरकार ने पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में उठाया कदम

28 करोड़ की लागत से पटना में बिहार पशु चिकित्सा परिषद् के लिए बनेगा प्रशासनिक भवन व अतिथि भवन

केटी न्यूज/पटना

राज्य सरकार ने बिहार में पशुपालकों को बेहतर सेवाएं देने और पशु चिकित्सा क्षेत्र को तकनीकी दृष्टि से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को बताया कि पटना में बिहार पशु चिकित्सा परिषद् के लिए नया प्रशासनिक भवन, अतिथि भवन और एक कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 में कुल 27.68 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि भवन निर्माण हेतु पटना में एक एकड़ 16 डिसमिल भूमि के उपयोग की स्वीकृति मिल चुकी है। इस भूमि पर बिहार पशु चिकित्सा परिषद् के तहत जी+1 प्रशासनिक भवन, जी+2 अतिथि भवन और एक आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए समर्पित ले-आउट प्लान और तकनीकी अनुमोदन के साथ प्राक्कलन तैयार कर लिया गया है।

पशुपालकों को होगा सीधा लाभ: सम्राट

चौधरी ने कहा कि यह निर्णय केवल एक भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को सुदृढ़ किया जाएगा। इससे राज्य के लाखों पशुपालकों को आधुनिक और सुलभ पशु स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। पशु चिकित्सकों को बेहतर कार्य सुविधा और प्रशिक्षण का माहौल उपलब्ध होगा, जिससे सेवाएं अधिक प्रभावशाली बनेंगी।

तकनीकी विकास और शोध को मिलेगा बढ़ावा: उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह भवन पशु चिकित्सकों को न केवल एक प्रशासनिक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा, बल्कि यह तकनीकी उन्नयन और पेशेवर विकास का केंद्र भी बनेगा। यहां नियमित सेमिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे चिकित्सकों को नवीनतम तकनीकों और शोध कार्यों से अवगत कराया जा सकेगा।

निबंधन और नियमन को मिलेगा संस्थागत स्वरूप: बिहार पशु चिकित्सा परिषद् का मुख्य उद्देश्य राज्य में कार्यरत पशु चिकित्सकों के निबंधन को वैधानिक मान्यता प्रदान करना और उनके कार्यों को संस्थागत रूप देना है। नए भवन के माध्यम से यह कार्य और भी व्यवस्थित और पारदर्शी रूप में संचालित होगा। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि यह पहल राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत कृषि और पशुपालन क्षेत्र को आत्मनिर्भर एवं व्यवसायिक रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। परिषद् का नया भवन न केवल पशु चिकित्सा क्षेत्र में एक बुनियादी संरचना की कमी को पूरा करेगा, बल्कि यह आने वाले वर्षों में पशुपालकों और चिकित्सकों दोनों के लिए एक सशक्त संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

संक्षिप्त समाचार

वैकेशन बाइबल स्कूल में बच्चों ने की जम कर मस्ती

रांची, एजेंसी। जीइएल चर्च के रांची यूथ फेलोशिप की ओर से 'टेंपल ऑफ गॉड थीम पर आयोजित वैकेशन बाइबल स्कूल का मंगलवार को 10वां दिन था। इसकी शुरूआत प्रार्थना से हुई। प्रार्थना स्मृति डुंगडुंग ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीआरसी महिला समिति की हीरामनी लकड़ा थी। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु मसीह में हम अपना जीवन कैसे जी सकते हैं बुरे काम से मनुष्य फंसता चला जाता है।इसलिए हमें सारी बुराइयों को त्यागना है। हमें अपने सारे पापों के लिए है। अपने मन में पश्चाताप करना है और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में हमें नया बनते जाना है। मौके पर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की परीक्षा हुई, जो बच्चों ने पूरे वीबीएस में सीखा। साथ ही मैनेजिंग कमेटी के द्वारा बच्चों को एक्शन सॉन्ग कराया गया। मंगलवार को वीबीएस में शेयरिंग डे था, जिसमें सभी बच्चे और बड़ों ने नाश्ता, खाना और पकवान लाए और मिल बांट कर खाए। अब वीबीएस, 2025 का समापन 4 जून के जगह 5 जून को होगा। कार्यक्रम बेथेसदा एमएड हॉल में सुबह 10 बजे से किया जाएगा।

हथियार वाली दोस्ती, गिरफ्तार होने पर मित्र को भी फंसा दिया!

पलामू, एजेंसी। जिला पुलिस ने अवैध हथियार के साथ दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने दोनों युवकों के पास से दो देसी कट्टा और गोली बरामद किया है. दरअसल, पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि लेस्लीगंज के थाना क्षेत्र के भकासी के रहने वाले सुनील कुमार के पास अवैध हथियार मौजूद हैं और उसकी गतिविधि संदिग्ध है. इसी सूचना का आलोक में लेस्लीगंज थाना की पुलिस सुनील कुमार के घर पर सर्च अभियान के लिए पहुंची थी. पुलिस को देख सुनील कुमार भागने लगा पुलिस ने उसे दौड़ा कर पकड़ा और उसके पास से एक देसी कट्टा और गोली को बरामद किया. गिरफ्तार सुनील कुमार ने लेस्लीगंज थाना की पुलिस के बाद बताया कि उसके एक दोस्त के पास भी अवैध हथियार मौजूद है। सुनील कुमार द्वारा मिली जानकारी के बाद पुलिस ने लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के चनैगिर में छापेमारी की और मौके से करण कुमार नामक युवक को गिरफ्तार किया. करण कुमार के पास से पुलिस ने देसी कट्टा और गोली को बरामद किया. पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिस को कई जानकारी दी है जिसके बाद पुलिस आगे के सर्च अभियान चला रही है. पुलिस दोनों दोस्तों को हथियार सप्लाई करने वाले व्यक्ति की तलाश में छापेमारी कर रही है. पुलिस के अनुसार दोनों युवक किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे। लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने बताया कि दोनों दोस्तों के पास से हथियार बरामद हुआ है. पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है. दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. इधर पलामू की छतरपुर थाना की पुलिस ने भी सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए फोटो पोस्ट करने को लेकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कोडरमा में दो गायों की मौत से बवाल, एक की करंट लगने से दूसरे का एम्बुलेंस से टकराकर मौत

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में दो अलग–अलग घटनाओं में गायों की मौत से शहर में आक्रोश फैल गया। एक गाय की मौत बिजली के खंभे में करंट लगने से हुई, जबकि दूसरी गाय को एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी। दोनों घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और शहर के मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान लोगों ने बिजली विभाग और नगर परिषद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पहली घटना पूर्णिमा टॉकीज के पास की है। यहां सड़क किनारे चर रही एक गाय बिजली के खंभे से टकरा गई। खंभे में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिससे गाय की मौके पर ही मौत हो गई। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। खंभों की समय–समय पर जांच नहीं होने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है।दूसरी घटना समांतों काली मंदिर के पास की है। यहां एक एम्बुलेंस ने गाय को टक्कर मार दी। हादसे में गाय बुरी तरह घायल हो गई। पास की मेडिकल दुकान के संचालक ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल पशु चिकित्सक को बुलाया। चिकित्सक के पहुंचने तक गाय की हालत नाजुक हो गई और करीब 15 मिनट के भीतर उसकी मौत हो गई।

रांची में पुलिस पर हमला, थाना प्रभारी सहित 2 घायल, जमीन विवाद सुलझाने गई थी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची से सटे लापुंग के कोयनारा गांव में पुलिस की टीम पर हमला किया गया। पुलिस पर हमला तब हुआ जब टीम 55 एकड़ 56 डिसमिल जमीन का विवाद सुलझाने गई थी। पुलिस के साथ मारपीट पड़हा के लोगों ने हमला कर दिया। उग्र लोगों ने थाना प्रभारी से हाथापाई की। डंडे से पीटा। थाना प्रभारी जमीन पर गिर पड़े तो कुछ युवकों ने तलवार से हमला करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने फायरिंग की। इस घटना में थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव और दो जवान लालू उरांव व पुनई लोहरा घायल हो गए।

पुलिस पर हुए हमले के दौरान बचाव में पुलिस ने गोली चलाई। इससे जातालोया कुसुम टोली निवासी 22 वर्षीय जतरू मुंडा और 45 साल की बिरस उरांव घायल हैं। जतरू को एक गोली जांघ में और एक पेट में लगी है। वहीं बिरस की हथेली में गोली लगी है। इधर, थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को रांची के राज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा अस्पताल पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों से मिले। उन्होंने कहा कि पूर्व नक्सली पुनई उरांव के इशारे पर यह हमला किया गया है।

घटना को लेकर मुखिया धुचला मुंडा और डॉ. बोने उरांव ने कहा के हुरहुरी के पूर्व जमींदार लाल सत्यनारायण नाथ शाहदेव ने कोयनारा की 55 एकड़ 56 डिसमिल जमीन (खाता नंबर एक, दो व चार) 1964 में हटिया से विस्थापित लेदे उरांव को बेच दी थी। इस जमीन का पट्टा, डीड ग्रामीणों के पास है। अब पूर्व जमींदार के वंशज गांव के बंधन लोहरा को पावर ऑफ अटॉर्नी देकर दलालों से जमीन बिकवा रहे हैं। जमीन मालिक और उसके वंशजों को खेती करने नहीं दिया जा रहा है।

लाल वैभव नाथ शाहदेव ने कहा कि यह उनकी खतियानी जमीन है। उन्होंने या उनके पूर्वजों ने कभी कोई जमीन नहीं बेची। जो ग्रामीण खेती-बाड़ी करते हैं, वे उस पर दावेदारी कर रहे हैं। ग्रामीण जो कागजात दिखा रहे हैं, वह फर्जी है। पुनई उरांव और बोने उरांव सहित कुछ लोग पड़हा के नाम पर जमीन हथियाना चाहते हैं। मंगलवार को इसे लेकर ग्राम सभा हो रही थी। पड़हा के लोगों ने उन्हें बुलाया था। लेकिन थाना प्रभारी ने हमें आने से मना कर दिया। मैं रास्ते से लौट गया, वरना अनर्थ हो सकता था।

लाल वैभव नाथ शाहदेव ने कहा कि एक विवादित जमीन पर कब्जे के लिए संगठन के नाम पर काफी लोग जमा हो गए थे। कुछ लोग जमीन कब्जा करने का गिरोह चलाते हैं। उसी गिरोह ने हमला किया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं डीएसपी अशोक कुमार राम ने बताया कि पड़हा के नाम पर वहां असामाजिक तत्व जमा थे। उग्र भीड़ ने थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों को काफी दूर तक खदेड़ा। अगर पुलिस के जवान आत्मरक्षा में गोली नहीं चलाती तो थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों की जान चली जाती। इसलिए पुलिस को मजबूरी में फायरिंग करनी पड़ी।

इधर, पुलिस जांच में पता चला कि पुलिस पर हमले का मास्टरमाइंड पहले नक्सली रह चुका है। उसी के इशारे पर हमला किया गया है। उसके साथ कुछ स्थानीय नेता भी हैं। संगठन में कई ऐसे लोग हैं, जो पहले नक्सली संगठन में सक्रिय थे। फिलहाल अलग संगठन बनाकर विवादित जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। 10 से ज्यादा नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कारोबारी अमित से ईडी तीन दिन करेगा पूछताछ

रांची, एजेंसी। जमशेदपुर में हुए 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाले के आरोपी कारोबारी अमित गुप्ता से तीन दिन पूछताछ होगी। ईडी की विशेष अदालत ने मंगलवार को जांच एजेंसी को इसकी अनुमति दे दी। रिमांड और पूछताछ की कार्रवाई मंगलवार को शुरू हो गई है। रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद अमित गुप्ता को 5 जून को ईडी कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी ने घोटाले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें शिवकुमार देवड़ा, जुगसलाई के कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता व मोहित देवड़ा शामिल हैं। फिलहाल सभी रांची जेल में बंद हैं।

क्या है मामला : शिव कुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता समेत अन्य आरोपियों पर लगभग 14,325 करोड़ के फर्जी चालान बनाने का आरोप है। फर्जी चालान के माध्यम से 800 करोड़ से अधिक का फर्जी दावा किया गया। इससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान उठाना पड़ा। 90 से अधिक शेल कंपनियों के जरिए जीएसटी चोरी की गई है।

तीन साइबर अपराधी इंदौर से गिरफ्तार, 15 लाख की ठगी का आरोप

बोकारो, एजेंसी। साइबर अपराधियों की तलाश में झारखंड पुलिस की टीम ने दूसरे राज्य में कार्रवाई की है। बोकारो पुलिस की साइबर सेल की टीम ने इंदौर से साइबर अपराधियों को शिकंजे में लिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर से तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में बोकारो पुलिस ने कामयाबी हासिल की है। इनके पास से पुलिस ने भारी मात्रा में कैश के साथ साथ अन्य सामान बरामद किए हैं।

इन गिरफ्तार अपराधियों के द्वारा इंदौर में संचालित कॉल सेंटर से ठगी किये गये 14 लाख 33 हजार 080 रुपये कैश, एक पैसा गिनने वाला एलसीडी डिस्पले मशीन, 3 मोबाइल, 16 विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस और फर्जी स्टॉक मार्केटिंग में लगे लड़के लड़कियों का डेली हाजिरी रजिस्टर भी जब्त किया है। इन साइबर ठगों ने बोकारो जिला के आईईएल थाना क्षेत्र के रहने वाले उत्तम कुमार सिंह से स्टॉक ट्रेडिंग में लाभ पहुंचाने के नाम पर 1 दिसंबर 2024 से 25 मार्च तक कुल 14 लाख 73300 की ठगी की थी। इस मामले में पीड़ित ने मामला दर्ज कराया था। जिसमें ये कार्रवाई हुई है।

बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि साइबर अपराध की दृष्टिकोण से यह एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। जिसमें इंदौर से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनका नाम गौरव जुनी उर्फ गौरव पांचाल पूर्व आशीष यादव उर्फ सूरज, निहाल उर्फ निहाल सोनोने और पारस मरमत है। इन तीनों साइबर अपराधियों के द्वारा आम लोगों को आसानी से पैसे कमाने और पैसे बढ़ाने के नाम पर अलग-अलग नाम से फोन कर अपने चंगुल में फंसा लेते थे और उनसे ठगी करते थे।

एसपी ने बताया कि जिस तरह से उनके कॉल सेंटर से सामान की बरामदगी हुई है। हम कह सकते हैं कि बड़ा साइबर ठगी का एक नेटवर्क पकड़ में आया है। आगे पूछताछ के बाद ही मामले का और खुलासा हो पाएगा। एसपी ने बताया कि इस टीम में जो भी पदाधिकारी शामिल है, उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

झारखंड को उच्च शिक्षा में आगे है बढ़ाना, 2047 तक भारत शिक्षा के बदौलत होगा विकसित : राज्यपाल

सरायकेला, एजेंसी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में झारखंड को काफी आगे बढ़ाना है. विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर कर राज्य में बेहतर शिक्षा व्यवस्था स्थापित की जाएगी. यह बाते झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गम्हरिया स्थित अर्का जैन विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में कही।

सरायकेला के अर्का जैन विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार को तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भी मौजूद रहे. कार्यक्रम में पहुंचने पर राज्यपाल को गार्ड आफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया. दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और गोल्ड मेडल से सम्मानित किया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राज्य को आगे बढ़ाना है. उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अब उन्हें कर्म के क्षेत्र में जाने की तैयारी शुरू कर लेनी है. राज्यपाल ने कहा कि छात्र शिक्षा ग्रहण कर एक सफल और जिम्मेदार नागरिक की भी भूमिका अदा करें. उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल हो चुका है, जल्द ही हम तीसरे स्थान पर होंगे. टाटा समूह की तारीफ करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि जमशेदपुर शहर टाटा परिवारों के आदर्श पर स्थापित है. उन्होंने कहा कि छात्रों को इससे प्रेरणा लेने की जरूरत है. एक सवाल के जवाब में राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षक की कमी को देखते हुए इसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि शिक्षित होकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं. शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है. उन्होंने कहा कि गम्हरिया क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक डिग्री कॉलेज स्थापना का भी प्रस्ताव उन्होंने लाया था. ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी उच्च तकनीकी शिक्षा मिल सके. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा धन है जो बांटने से खत्म नहीं होता, बल्कि उल्टे बढ़ता है।

समारोह में 2322 छात्रों को डिग्री, 48 को गोल्ड मेडल दिया : दीक्षांत समारोह में वर्ष 2023 और 2024 में पास होने वाले स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के कुल 2322 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गई. साथ ही विभिन्न संकायों के 48 टॉपर्स को गोल्ड मेडल से नवाजा गया. इनमें वर्ष 2023 के पास आउट 26 तथा 2024 के 22 गोल्ड मेडलिस्ट शामिल रहे. दीक्षांत समारोह में यूनिवर्सिटी के कुलपति ईश्वरन अय्यर, रजिस्ट्रार अमित श्रीवास्तव, कोल्हान यूनिवर्सिटी सीनेट मेंबर राजेश शुक्ला, कुलपति एसएस रज्जी और प्रति कुलपति अंगद तिवारी मौजूद थे।

सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर को लेकर आया नया अपडेट, जल्द दौड़ेंगी गाड़ियां

रांची, एजेंसी। सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर का उद्घाटन जल्द हो सकता है। इसे लेकर पथ निर्माण विभाग और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच मंथन जारी है।

उद्घाटन की तिथि 8 जून और 14 जून बताई जा रही है। ये बातें सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर के निर्माण में जुड़े इंजीनियरों ने बताई हैं। इंजीनियरों ने कहा कि फ्लाईओवर का काम पूरा कर लिया गया है। इसमें गाड़ियों के दौड़ने का इंतजार है। फ्लाईओवर के निर्माण में लगभग 372 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इसे 372 करोड़ की लागत से 2.34 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है।

इससे अब सिरमटोली से डोरंडा पहुंचने वाले राहगीरों को फायदा पहुंचेगा। साथ ही जाम की समस्या में कमी आएगी। 20 मिनट का सफर तीन से चार मिनट में ही पूरा हो जाएगा। फ्लाईओवर का निर्माण अगस्त 2022 में शुरू किया गया था, जिसे जून में पूरा कर लिया गया।

सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसमें सभी तकनीकी पहलुओं की जांच पूरी कर ली गई है। अब इसके उद्घाटन की तैयारी जारी है।

पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि पटेल चौक और निवारणपुर में सर्विस रोड का काम जारी है, इसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। जबकि फ्लाईओवर में सभी काम पूरे कर लिए गए हैं। साइन एज, स्ट्रीट लाइट, रंग-रोगन, स्टेड ब्रिज, ज्वाइंट, जर्क, सेफ्टी, रैंप, डिवाइडर का काम भी हो चुका है। काम पूरा देखकर लोग कई बार ब्रिज में अपने वाहन तक चढ़ा रहे हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा कर्मियों द्वारा रोक लिया जा रहा है।

सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर के उद्घाटन से पूर्व हुए विवाद से पूरा विभाग अलर्ट मोड पर है। विभाग की ओर से संभावना जताई जा रही है कि सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर का उद्घाटन से पूर्व आदिवासी संगठनों की ओर से विरोध हो सकता है।

इसे लेकर सरकार की ओर से सिरमटोली की ओर पूरे क्षेत्र को पुलिस की छावनी में तब्दील कर दिया गया है। वहीं, रोजाना दो दर्जन से अधिक पुलिस के जवान सिरमटोली के पास दिन-रात ड्यूटी पर तैनात हैं।

पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने श्वेता सिंह के मामले में एसडीएम को सौंपे कागजात, नोटिस पर रखा अपना पक्ष

बोकारो, एजेंसी। पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने वर्तमान कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के द्वारा दो पैन कार्ड, चार वोटर कार्ड और दो आवास का किराया जमा नहीं करने और हलफनामे में इसकी सूचना छुपाने के मामले में चुनाव आयोग और राज्यपाल को पत्र सौंपा था. इस मामले में चुनाव आयोग के निर्देश पर चास एसडीएम प्रांजल ढांडा ने पूर्व विधायक बिरंची नारायण और वर्तमान कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह को नोटिस जारी कर जवाब देने का निर्देश दिया था।

नोटिस का जवाब देने बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण एसडीएम कार्यालय पहुंचे. जहां उन्होंने अपने आरोप से संबंधित कागजात एसडीएम को सौंपे. उन्होंने एक पूरक पत्र भी एसडीएम को सौंपा है. जिसमें उन्होंने वर्तमान विधायक श्वेता सिंह के आवास का किराया बकाया रखने और इसका नो ड्यूज जमा नहीं करते हुए जानकारी छुपाने का आरोप लगाया है। वहीं पूर्व विधायक ने कहा कि यह पूरी तरह से ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का मामला बनता है. उन्होंने कहा कि चार वोटर कार्ड की जानकारी बाहर आने के बाद दो वोटर कार्ड को डिलीट कराया गया है. उन्होंने इसकी भी जांच की मांग की है. बिरंची नारायण ने कहा कि चुनाव आयोग के गाइड लाइन के खिलाफ वर्तमान विधायक ने अपने नॉमिनेशन पत्र में जानकारी छुपाने का काम किया है. उन्होंने जल्द से जल्द मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

विधायक श्वेता सिंह ने एसडीएम से मांगा समय

हालांकि बोकारो विधायक श्वेता सिंह चास एसडीएम के नोटिस का जवाब देने नहीं पहुंचीं. उन्होंने अपने अधिवक्ता और प्रतिनिधि को भेजकर एसडीएम से समय मांगा है. विधायक प्रतिनिधि पवन झा अधिवक्ता के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे. पवन झा ने उक्त जानकारी दी. इसके पूर्व भाजपा के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने एसडीएम कार्यालय पहुंच साक्ष्य प्रस्तुत किया था।

...और मां की मन्नतें रह गई अधूरी, शव निकलते ही फटा कलेजा, एक साथ उठी दोनों की अर्थी

चासनाला (धनबाद), एजेंसी। सुदामडीह थाना क्षेत्र के बिरसा पुल समीप मोहलबनी घाट पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ था। जिसमें पांच दोस्त पानी के तेज बहाव में बह गए थे।

तीन युवकों को स्थानीय लोगों ने किसी तरह बचा लिया। लेकिन दो युवक पानी के बहाव में बहकर डूब गए। दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। दोनों युवकों की पहचान कांड्रा के चुकड़ीपाड़ा बस्ती निवासी सेल कर्मी दयानंद मल्लिक का इकलौता पुत्र 21 वर्षीय अविनाश मल्लिक उर्फ राहुल और रेल कर्मी दुर्गा मल्लिक का इकलौता पुत्र शिवम मल्लिक के रूप में हुआ था।

दामोदर नदी में डूबे दूसरे युवक शिवम का शव सोमवार की सुबह सवा नौ बजे दामोदर नदी से निकाला गया। जिसके बाद स्वजन के रुदन क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं, स्वजन व ग्रामीणों के लिखित आग्रह पर पुलिस ने शव को स्वजन को सौंप दिया।

रविवार को पांच दोस्त सुरुंगा निवासी दिवस कुंभकार, सुमित कुंभकार, कांड्रा निवासी प्रोमित सिंह, अविनाश मल्लिक उर्फ राहुल व शिवम मल्लिक दामोदर नदी में स्नान करने गए थे। इस दौरान नदी के तेज बहाव में अविनाश व शिवम बह गया।

स्थानीय लोगों ने तीन युवकों को बचा लिया। जबकि अविनाश मल्लिक का शव तीन घंटे बाद सितानाला दामोदर नदी घाट से बरामद हुआ। शिवम मल्लिक की तलाश जारी रही। लेकिन रात तक उनका कोई पता नहीं चला। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ विरोध जताया व सड़क जाम कर दिया।

पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम हटाया। बोकारो के खेतको पेटरवार से गोताखोर की आई टीम ने नदी में लाइट लगाकर खोजबीन की। लेकिन रात के अंधेरे के कारण प्रयास असफल रहा। सोमवार की सुबह पांच बजे से पेटरवार के गोताखोरों ने ऑक्सीजन की मदद से नदी में उतरे। घंटों खोजबीन की। किंतु शिवम का कोई आता पता नहीं चला। तभी एनडीआरएफ की टीम सितानाला घाट पहुंची।

घटना की पूरी जानकारी लेने के बाद टीम नदी में खोजबीन के लिए तैयारी ही शुरू किया था कि सुबह करीब सवा नौ बजे बिरसा पुल पर खड़े लोगों ने नदी में शिवम मल्लिक का शव देखा और शोर मचाया।

लोगों ने मिलकर शव को नदी से बाहर निकाला। जिसे एनडीआरएफ की टीम ने बैग में सुरक्षित भरकर स्ट्रेचर से बाहर ले गए। पुलिस ने शव को जामाडोबा टाटा अस्पताल ले गए। जहां स्वजन व ग्रामीणों के आग्रह पर शव उन्हें सौंप दिया गया। दोनों भाइयों का शव पहुंचते ही कांड्रा बस्ती में कोहराम मच गया। स्वजनों के रुदन क्रंदन से हर आंखें नम हो गई। दोनों भाई हमेशा एक दोस्त की तरह रहते थे। दोनों का एक साथ घर से अर्थी उठी। अंतिम संस्कार एक साथ चासनाला फिल्टर प्लांट समीप दामोदर नदी घाट पर किया गया। मुखाग्नि बड़े पिता फूलचंद्र मल्लिक उर्फ फ़ुचू ने दी। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। यह हादसा नदी में स्नान के दौरान लापरवाही व तेज बहाव के खतरों को उजागर करता है। स्थानीय प्रशासन व पुलिस को इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

शिवम की मां पिंकी देवी बेटे की सलामती की आस लिए दामोदर नदी व श्मशान काली मां के सामने हाथ जोड़ खड़ी थी। साथ थी अविनाश की मां चंपा देवी व बड़ी मां रूमा देवी। महिलाएं मंदिर में आंखों में चिंता, आंसू, होठों पर बुदबुदाते हुए मंत्र, हाथ जोड़कर प्रार्थना करती रही।

हे गंगा मईयाज हे मां कालीज हमारे बच्चों की रक्षा करना। ये मन्नतेंज सिर्फ अपने लाल की सलामती के लिए थी। रविवार की रातभर दामोदर नदी के किनारे बैठी रहीं। नजरें नदी की लहरों में बेटे का चेहरा खोज रही थी।

पिंकी देवी व रूमा देवी हाथ जोड़कर आकाश की ओर देखती हैं। रातभर बिना कुछ खाए-पिये मां से मन्नतें मांगती रही। हर पल एक उम्मीद, एक आस थी कि बेटा लौट आएगा।

शायद सुबह कुछ अच्छा संदेश लेकर आएगा। सोमवार की सुबह महिलाएं दामोदर में स्नान करती हैं फिर श्मशान काली के दरबार जाती है। फिर से वही अरजियां, वही उम्मीदज हे मां, मेरे लाल की रक्षा करना। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। जैसे ही बेटे का शव देखा सबकुछ टूट गया।

मां, पिता, बड़े पापा, बड़ी मां... हर किसी की आंखों से बहते आंसुओं में बसी थी एक ही चीख हमारा बेटाज! एक मां की मन्नत अधूरी रह गई। एक घर का चिराग बुझ गया। और पीछे रह गई सिर्फ यादें, सिसकियां व सन्नाटा।

सुभाषितम्

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमे सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है, सरकार की ओर से इस बार कोई ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस बार पूरी तरह बेपरवाह नजर आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में आरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स–जैसे जेएन-1, एक्सबीबी1.16 और बीए.2.86– तेजी से फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं है। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है। सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है, कि वहां सामान्य मरीजों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों मे कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मनमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट सकता है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुईं थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है। सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। नए वैरिएंट्स पर वैज्ञानिक समीक्षा, उपचार, कोविड मरीज के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित करना, मुफ्त जांच, दवाओं की उपलब्धता और जनजागरूकता अभियान चलाना जल्दी से जल्दी शुरू करना होगा। यह समय आश्वासनों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का है। महामारी को लेकर की गई लापरवाही की कीमत देश पहले ही भोग चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को कोरोना के इस नए वायरस को गंभीरता से लेना होगा। इसका इलाज किस तरह से हो जिसका लाभ मरीजों को मिले तथा कोरोना की बीमारी के जो विभिन्न किस्म के वायरस बार-बार नए-नए रूपों में जन्म ले रहे हैं। उसके लिए टीका विकसित करने जैसी स्थितियों पर विचार करना होगा। आशा की जाती है कि भारत सरकार और राज्य सरकारें त्वरित कार्यवाही करें। देश भर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए नई गाइडलाइन जारी करें। वायरस से किस तरीके से निपटा जा सकता है। इसका उपचार कैसे होगा इसकी जानकारी निचले स्तर तक भेजने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है।

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था। महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे। यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

-ललित गर्ग

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति को बिगाड़ देगी

-संजय गोस्वामी

2025 मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का पुनः आयोजन भारत में होना पश्चिमी सभ्यता को बढ़ावा देता है यह आयोजन हैदराबाद , तेलंगाना में शुरू हुआ, जो एक महत्वपूर्ण क्षण था क्योंकि भारत एक बार फिर इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है। इस साल भारत का प्रतिनिधित्व नंदिनी गुप्ता ने किया, जो हैदराबाद, तेलंगाना में चल रही एक महीने तक चलने वाली मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में भाग लिया इस प्रतियोगिता में भारत से सिनी शेट्टी ने प्रतिनिधित्व किया लेकिन सवाल यह है कि भारत में कराने की जरुरत ही क्या है 27 साल के लंबे अरसे के बाद, भारत ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी मुंबई में की थी जो भारतीय संस्कृति के लिए ठीक नहीं था इससे लोगों में खासकर युवाओ में गलत मैसेज जाता है क्योंकि आप खुद देखिए और बताएँगे कि कैसा आयोजन है मैं किसी प्रतियोगिता के खिलाफ नहीं हूँ लेकिन बहुत साल पहले 1987 में ब्लैक एंड वाइट टीवी में युवा था तो देखने को जैसे लगाया मेरे परिवार ने साफ मना कर दिया उस समय टीवी सब लोग साथ मिलकर देखते थे कोई भी उसके समर्थन में नहीं थे जैसा संस्कार मिला वैसी सोच पैदा हुई और इसका फायदा ऐ हुआ कि कभी किसी भी लड़की को गलत निगाह से देखा ही नहीं बिगड़ना आसान है बनना मुश्किल कपड़े से देश की संस्कृति की पहचान होती है ऐ पूर्वजों द्वारा बनाया गया है और इसका पालन भी करना चाहिए,किसी मिस वर्ल्ड 2024 के विजेता की घोषणा की थी। किसी भी देश का अपना इतिहास होता है, परम्परा होती है। यदि देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। किसी भी संस्कृति में आदर्श होते हैं, मूल्य होते हैं। इन मूल्यों की संवाहक संस्कृति होती है। भारतीय संस्कृति में चार मूल्य प्रमुख हैं–धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूकमाटी महाकाव्य में वह परिभाषा हमें मिलती हैं– इस युग के दो मानव अपने को खोना चाहते हैं एक भोग रोग मद्यपान को चुनता है और एक योग त्याग आत्मध्यान को धुनता है। कुछ ही क्षणों में दोनों होते विकल्पों से मुक्त फिर क्या कहना एक शव के समान निरा पड़ा है और एक शिव के समान खरा उतरा है। सच यही है वे दोनों संस्कृतियाँ जिनमें से हमें क्या चुनना है यह हमारे ऊपर निर्भर है। वर्तमान में सामाजिक बदलाव को देखकर ऐसा लगने लगा है कि जैसे न ही हमारी संस्कृति रह गई है न ही हमारी सभ्यता। जहाँ तक सवाल है पश्चिमी सभ्यता का तो हम लोगों ने उन बातों को अपनाया जो भारतीय संस्कृति के प्रतिकूल थीं। जिस भारतीय समाज में हम रहते हैं वहाँ का वातावरण, सभ्यताएँ, मयार्दाएँ नैतिक मूल्य कुछ और ही हैं। ऐसे में जब हम पहनावे में उसकी खुली सोच और खुलेपन का अंधानुकरण करते हैं तो हमारे वातावरण में नग्नता दिखाई देती है। हवा में अजीब-सी गंदगी घुल गई है मानव मस्तिष्क पर विपरीत असर कर रही है बात मैं हवा की नहीं कर रही हूँ। मैं हवा के माध्यम से हमारे चारों ओर के सामाजिक परिवेश की चर्चा कर रही हूँ। पाश्चात्य से बटोरा है हमने काम–ग्रसित समाज जिसने हमारी भावनाओं को काम के वशीभूत किया है। लिया है हमने पाश्चात्य से अतिमहत्वाकांक्षी होने का मन्त्र जिसने हमें हमारे सामाजिक परिवेश में अनुशासनहीन जीवन जीने की ओर अग्रसर किया है जाना है हमने पाश्चात्य से न्यूक्लीयर युक्त समाज में जीवन जीने का तंत्र। इस तंत्र ने मानव सभ्यता को इसके अंत पर लाकर खड़ा किया है। पाश्चात्य से हमने सीखा है वर्णशंकर युक्त नई पीढ़ी के साथ जीवन जीने का मार्ग, यह मार्ग बड़ा आसाँ है हमारे भारत धर्म भारतीय की संस्कृति को अधोगति में ले जाने के लिए। चाहिए तो था हम बटोरते कुछ ऐसा पाश्चात्य संस्कृति से जो उसे हमसे कुछ मायनों में आदर्श बनाती है जैसे कि हम उनकी ही तरह ईमानदार होते, राष्ट्र के प्रति समर्पित होते, राष्ट्रप्रेमी होते, अनुशासित होते जो हमें सम्पूर्ण मानव बनने में सहायक होती। हम एक आदर्श भारतीय समाज का निर्माण कर पाते हम आसमां पर चमकते न कि भ्रष्टाचार, बलात्कार, अपराध की सूचि में सबसे ऊपर होते। क्योंकि उस आयोजन में ठीक वही होता है जिससे युवा पीढ़ी का फिसलना तय है भले ही विदेशों में हिट हो लेकिन यह हमारी भारतीय संस्कृति के लिए सही नहीं है आप बड़ो के साथ कैसे बैठते हैं क्या तौर तरीके है उसे समझना जरुरी है आप असल में सुन्दर हैं तो तन की नहीं मन की सुंदरता में विश्वास रखना चाहिए आप नारी हो किसी के हाथ की कटपुतली नहीं जो जैसे बोलेंगे वैसे कपड़े बदलेंगे इसलिए झांसी की रानी सब नहीं होती माता सीता को इसलिए पूजन किया जाता है क्योंकि उसने अपने संस्कार को कपड़े से नहीं प्रभु राम के चादर से लपेटा और यदि सीखना है तो सेना में भर्ती होकर देश का नाम रौशन करें यहाँ नारी को दुर्गा का रूप इसलिए माना जाता है क्योंकि वो भारत में राक्षषों का नाश किया जो हवस के शिकार थेभारतीय संस्कृति में अपना वस्त्र साड़ी है लेकिन कुछ भी पहने समाज के अनुसार अंग वस्त्र कभी नहीं क्योंकि ऐ फूहड़ता का प्रतिक है भारत का संस्कार पुरातन ऋषि मुनियों द्वारा दि गई है लाज नहीं होता जब अंग वस्त्र का प्रदर्शन खुले में होता है इससे भारतीय संस्कृति में बेहद डरावना नजर आता है भारत में आज नारी को पूजा जाता है क्योंकि ऐ देश कन्या को माता की तरह पूजन करती है उसके सम्मान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है और लड़की को पढ़ाई टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ाना ही देश के लिए गर्व का विषय है आगे बढ़ने हेतु तभी तो भारत के गरीबो की बेटियों जो गाँव में रहती है उसमें संस्कार है तभी तो वो फटे कपड़े से मान सम्मान हेतु तन ढक लेती है लेकिन ऐसे कपड़े नहीं पहनती जो तन को कहीं मजाक का जरिया ना बना लें हालांकि शहर में भी ऐसे वस्त्र नहीं पहनते जो कम से कम कपड़े वाला हो लेकिन जो ऐसे आयोजन में पहना जाता है वो हमारी संस्कृति के लायक बिलकुल नहीं । पहनावे में भड़काउपन और खुलेपन की सोच के कारण स्त्री देवी का रूप को लोग गलत नजर से देखते है संस्कृति को ना छेरोंकम से कम कपड़े पहन अधिक से अधिक शरीर का प्रदर्शन करना यदि मार्डन है तो आदिवासी ज्यादा मार्डन और सभ्य हुए। संस्कृति का उद्देश्य मानव जीवन को सुंदर बनाना है। परन्तु पाश्चात्य संस्कृति में चमकते कांच झिलमिलाती रोशनी, शराब का प्याला और साथ में खड़ी अर्धनग्न लड़की उद्देश्य होता है नारी को कठपुतली बनाना ना की सम्मान देना जहाँ नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है वहाँ बिलकुल ही ऐसे आयोजन कराना उचित नहीं है इससे हमारा नाम हो या नहीं लेकिन संस्कृती पर प्रश्न चिन्ह लग गया। अब ऐसा लगता है टेलीविजन में दिखाए जाने वाले सिनेमा, सीरियल, विज्ञापन में अर्धनग्न महिलाओं को दिखाए जाने की अनुमति है या नहीं वो सेंसर बोर्ड तय करता है।

मां गंगा के अवतरण की याद दिलाता है गंगा दशहरा

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने जिस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण किया,उस पवित्र दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे।जिसके लिए उन्होंने कठिन तपस्या की थी। गंगा दशहरा पर हर वर्ष गंगा में आस्था की डुबकी लगाई जाती हैं। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गंगा में स्नान करने से 10 प्रकार के पाप मिट जाते हैं।गंगा ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र में धरती पर अवतरित हुई थी। इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 4 जून की रात 11 बजकर 54 मिनट पर शुरू हो रही है।ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए 5 जून, गुरुवार को गंगा दशहरा मनाया जा रहा है।गंगा दशहरा पर सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर सिद्धि योग है।इसके साथ ही इस दिन रवि योग और हस्त नक्षत्र भी है,जो दोपहर 1 बजकर 2 मिनट पर तैतिल करण रहेगा। गर करण योग दोपहर 2 बजकर 15 मिनट तक रहने वाला है। गंगा में डुबकी लगाते समय ह्यऊँ नमः शिवायै नारायण्यै दशहरायै गंगायै नमः मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता हैं। गंगा दशहरा के दिन दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान-धर्म के कार्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा का अर्थ 10 मनोविकारों के विनाश से है। ये दस मनोविकार हैं- क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी।जिनसे मुक्ति के लिए ज्ञान गंगा का स्नान करने से हम विकारमुक्त होकर पवित्र बन सकते है। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या, उनके अथक प्रयास और परिश्रम से इसी दिन गंगा ब्रह्मा जी के कमंडल से निकलकर शिव की जटाओं में विराजमान हुई थी और शिवजी ने अपनी शिखा को खोल कर गंगा को धरती पर जाने की अनुमति दी थी। इसलिए गंगा के धरा अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है। गंगा दशहरा के दिन प्रातः काल गंगा में स्नान करके मां गंगा की आरती करने से समस्त पापों का विनाश हो जाने की धार्मिक मान्यता है। गंगा का जल हमेशा पवित्र व गुणकारी होता है,उसमें कभी भी कीड़े नहीं पड़ते और इसका जल प्रदूषित नहीं होता ।इसलिए इस जल में स्नान करने से रोगों का विनाश हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन स्नान, ध्यान और तर्पण करने से शरीर शुद्ध और मानसिक विकारों से मुक्त हो जाता है।अमृत दायिनी मां गंगा के स्पर्श मात्र से ही चराचर जीवो के पापों का अंत हो जाता है और उसे मुक्ति मिल जाती है। कहते है कि एक बार महाराज सगर ने एक बड़ा यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल खोज लिया पर अश्व नहीं मिला।फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खुदाई पर उन्होंने देखा कि साक्षात? भगवान महर्षि कपिल के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है।

आज का राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव आपकी पदोन्नति या विभागीय स्थानांतरण से जुड़े हो सकते हैं।	**तुला** आज शिक्षा, प्रतियोगिता या किसी कोर्स की तैयारी कर रहे जातकों के लिए सफलता का दिन है।
वृषभ आज जीवन सुखद रहेगा और किसी नजदीकी सदस्य से वित्तीय सहयोग या सलाह मिल सकती है।	**वृश्चिक** धन, सम्मान और यश में वृद्धि होगी। यदि आप जॉब में हैं तो आपके काम की प्रशंसा होगी।
मिथुन आज धन सम्मान के मामले में पिता का आशीर्वाद और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा।	**धनु** विशेषकर फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स या वाहन से संबंधित। धन संबंधी लेन-देन में सतर्क रहें।
कर्क आर्थिक क्षेत्र में शुभ संकेत मिलेंगे। अचानक कोई रुका हुआ या भूला हुआ धन वापस मिल सकता है।	**मकर** लाभ और वरिष्ठों से प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में विस्तार की योजना बन रही है।
सिंह राजनीतिक या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत जातकों को अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है।	**कुंभ** स्वास्थ्य को लेकर खर्च हो सकता है। दस्तावेजों की गंभीरता से जांच करें।
कन्या आज भाग्य में वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कठोर परिश्रम का पूर्ण फल मिलेगा।	**मीन** आज व्यापार में नई प्रगति होगी और पुराने क्लाइंट से दोबारा ऑर्डर मिलने की संभावना है।

विशेष

उमर की पार्टी में उमर का विरोध?

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का विरोध शुरू हो गया है। जिस तरीके से वह केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में खेल रहे हैं। उसको लेकर उन्हीं की पार्टी में उनका विरोध शुरू हो गया है। पार्टी के नेताओं ने उनके कामकाज को लेकर और नीतिगत मामले को लेकर आवाज उठाना शुरू कर दी है। नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा रोहिल्ला खान ने उमर अब्दुल्ला के कई फेसलों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उमर अब्दुल्ला पूर्ण राज्य की मांग पर भी चुप्पी साधकर बैठे हुए हैं। जिसके कारण जम्मू कश्मीर के कट्टरपंथी उग्र हो रहे हैं। सभी विपक्षी दल भी विरोध में आवाज उठा रहे हैं। सत्ता का सिंहासन मिल गया है, तो जम्मू कश्मीर को उमर अब्दुल्ला भूल गए हैं।

अगले 22 साल में होगा दिल्ली का विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य बनाया है। 2047 में आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे। वह यह भी कह रहे हैं, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अगले 22 साल में भारत विकसित राष्ट्र होगा। कान कहीं से भी पकड़ो, 22 साल बाद विकसित राष्ट्र बनेगा,या नहीं, इसका फैसला होगा। 11 साल हो गए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। अभी तक देश की राजधानी दिल्ली विकसित नहीं हो पाई है। दिल्ली वैसे भी सपनों का शहर है। यहां हर कोई सपना देखता है। सपने सपने ही रहते हैं, कभी यथार्थ में नहीं बदलते हैं। दिल्ली के लिए 22 साल तो इंतजार करना ही होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1806 लुआ बोनापार्ट हालैंड के शासक बने. 1947 अमेरिकी विदेशमंत्री जार्ज मार्शल ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देशों को उबारने के लिए मार्शल योजना की घोषणा की. 1953 डेनमार्क में नया संविधान प्रभावी हुआ. 1967 इजरायल और अरब देशों में युद्ध भड़का. 1975 स्वेज नहर इजरायल को छोड़कर अन्य सभी देशों के जहाजों के लिए खोल दिया गया. 1984 मिस्त्र के प्रधानमंत्री एफ. मोहेद्दीन का निधन हुआ. 1991 भारत ने 400 करोड़ का सोना बेचा. 1993 राष्ट्रसंघ शांति सेना के साथ सोमालिया में कार्यरत पाकिस्तान के 23 सैनिक मारे गये. 1998 नाट्यकर्मी वी.एम. शाह का लखनऊ में अचानक निधन. 1998 उर्दू के शायर अली सरदार जाफरी को प्रधानमंत्री ने ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया. 2003 अफगान में झड़प में 40 तालिबानी मारे गये.

दैनिक पंचांग

5 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.57 बजे से
चंद्र	कन्या में	कर्क	08.11 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.27 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.50 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.04 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.20 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.26 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.12 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मीन	00.45 बजे से
		मेष	02.15 बजे से
		वृष	03.55 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 156 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 02.17 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त अहोरात्र। **योग** सिद्धि(असृक) 09.14 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.04 बजे तदनन्तर गर 02.17 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 08.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872366 **जूलियन दिन** 2460831.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 08 **विशेष** गंगा दशहरा, विश्व पर्यावरण दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

रोमांचक करियर चुनना चाहते हैं, तो चुनें फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट का क्षेत्र

गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है।

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है। गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है। फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है।

जरूरत मैनपावर की

देश भर में फायर सर्विसेज में मैनपावर की करीब 92 प्रतिशत कमी है। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स एंड सिविल डिफेंस (एनडीआरएफ एंड सीडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में सबसे ज्यादा करीब 96.28 प्रतिशत फायरमैन की शॉर्टेज है। शहरों की फायर सर्विसेज में भी करीब 78 प्रतिशत मैनपावर की कमी है। फायर स्टेशंस की भी कमी करीब 72 प्रतिशत तक है। खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, देश में आबादी के लिहाज से करीब 8,500 फायर स्टेशंस चाहिए, जबकि इनकी संख्या अभी सिर्फ 2,900 के आसपास है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में सिर्फ प्राइवेट ही नहीं, सरकारी फायर विभागों में भी जॉब के ढेर सारे अवसर पैदा होंगे।

जॉब के अवसर

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के जानकारों की जरूरत सिर्फ देश में ही नहीं, विदेश में भी बहुत है, खास तौर पर तेल उत्पादक खाड़ी देशों में। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के डॉ अमन अग्रवाल के अनुसार, फायर एंड सेफ्टी के प्रोफेशनल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनीज, हैवी इंजीनियरिंग इंडस्ट्री, रिफाइनरीज, पेट्रोकेमिकल्स कंपनीज, प्लास्टिक कंपनीज, फर्टिलाइजर फैक्टरीज, टेक्सटाइल मिल्स, एलपीजी/ एलएनजी बॉटलिंग प्लांट्स, एयरपोर्ट्स, पोर्ट्स, पावर प्लांट्स, केमिकल कंपनीज, कंस्ट्रक्शन सेक्टर जैसे क्षेत्रों में जॉब पा सकते हैं। ट्रेंड युवा सेफ्टी इंजीनियर, सेफ्टी ऑफिसर, सेफ्टी सुपरवाइजर, सेफ्टी इंस्पेक्टर, सेफ्टी ऑडिटर, फायर प्रोटेक्शन डिजाइन इंजीनियर, फायर प्रोटेक्शन एस्टीमेशन इंजीनियर, फायर अलार्म टेक्निशियन जैसे पदों पर करियर बना सकते हैं। फायर स्टेशंस में आप फायरमैन, स्टेशन ऑफिसर या चीफ फायर ऑफिसर आदि बन सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकरा के अनुसार, देश के कई संस्थानों में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़े डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्सेज संचालित हो रहे हैं। 10वीं पास युवा सर्टिफिकेट कोर्स के जरिए इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। अगर आप किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास हैं, तो अंडरग्रेजुएट या डिप्लोमा कोर्स करके फायर ऑफिसर बन सकते हैं। आजकल तमाम संस्थान फायर इंजीनियरिंग में भी कोर्स ऑफर कर रहे हैं।

खुद का व्यवसाय भी

फायर सर्विस, दिल्ली के डायरेक्टर डॉ जीसी मिश्रा बताते हैं, अभी तक लोग सिर्फ नागपुर फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट से ही पढ़ाई करके इस फील्ड में आते रहे हैं मगर अब अन्य स्थानों पर भी प्रशिक्षण की सुविधा है। चुनौतियों को पसंद करने वाले युवा फायर सर्विसेज से जुड़ सकते हैं। सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में अवसर हैं। बिल्डिंग फायर मटेरियल इंस्टॉलेशन, फायर सेफ्टी ऑडिटर के रूप में खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

एडवेंचर से भरी लाइफ जीना चाहते हैं तो भारतीय नौसेना में भर्ती हों

नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री शाखा है, जो समुद्र की सुरक्षा पर केंद्रित है। अगर आप एक एडवेंचर से भरी लाइफ जीना चाहते हैं और देश की सेवा करना चाहते हैं, तो भारतीय नौसेना में भर्ती हो जाइए। इस आर्टिकल में हमने नौसेना में भर्ती होने के कई विकल्पों के बारे में जानकारी दी है।

भारतीय नौसेना देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करती है। इसके साथ ही यह अन्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाने का भी काम करती है। यह एक सुरक्षित समुद्री वातावरण बनाने के लिए शिक्षा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, चिकित्सा जैसे कई डोमेन में कैरियर के विभिन्न अवसर प्रदान करती है। यदि आप भी नौसेना में नौकरी पाना चाहते हैं, तो आपके पास बहुत सारे अवसर हैं। आप अपनी शिक्षा और इंटरेस्ट के हिसाब से इनमें से एक चुन सकते हैं। इस आर्टिकल में, हम आपको कुछ ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं।

भारतीय नौसेना अग्निवीर

अग्निवीर के रूप में आप एक हाई-टेक ऑर्गेनाइजेशन का हिस्सा बनेंगे। आपको एयरक्राफ्ट कैरियर, गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट्स और अत्यधिक तकनीकी और आकर्षक पनडुब्बियों और विमानों जैसे शक्तिशाली, आधुनिक जहाजों में सेवा करने को मिलेगा। अग्निवीर उम्मीदवारों की आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। नौसेना में अग्निवीर बनने के लिए आपको गणित और फिजिक्स के साथ 12वीं में कम से कम 50% मार्क्स के साथ पास होना चाहिए। इसके लिए 12वीं का एग्जाम दे रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकेंगे।

नेशनल डिफेंस एकेडमी परीक्षा

इस भर्ती को UPSC के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है। उम्मीदवारों की आयु 16.5 से 19.5 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवारों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं की शिक्षा पूरी की हो। इसमें UPSC द्वारा एक लिखित परीक्षा का आयोजन होता है। उसमें पास होने वाले छात्र आगे इंटरव्यू के लिए जाते हैं। इसके बाद भारतीय नौसेना द्वारा एक मेडिकल परीक्षण करने के बाद UPSC एक अंतिम मेरिट लिस्ट बनाती है। NDA नौसेना के लिए IHQ MoD (सेना)/ADG (भर्ती) नियुक्ति करती है और नौसेना अकादमी के लिए IHQ MoD/DMPR द्वारा नियुक्ति की जाती है।

कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जामिनेशन

कंबाइंड डिफेंस सर्विस एग्जामिनेशन (CDS) परीक्षा भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों की भर्ती के लिए यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की रक्षा प्रवेश परीक्षा है। इसमें अप्लाई करने के लिए आपकी उम्र 20-24 साल होनी चाहिए। उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए। CDS में एक लिखित परीक्षा होती है जिसका आयोजन UPSC करता है। उसके बाद स्स्क्रइंटरव्यू होता है। भारतीय नौसेना (केवल नौसेना उम्मीदवारों के लिए) द्वारा मेडिकल परीक्षण किया जाता है। इसके बाद CDS एक अंतिम मेरिट लिस्ट बनाती है और सिलेक्ट हुए उम्मीदवारों को नौसेना में शामिल किया जाता है।

NCC एंट्री

CDSE विज्ञापन के साथ ही नेवल विंग सीनियर डिवीजन में NCC 'C' सर्टिफिकेट धारकों के लिए जॉब्स निकलती हैं। NCC सर्टिफिकेट के साथ उम्मीदवारों के पास बी.ई./बी.टेक की डिग्री होनी चाहिए। इसके लिए कोई लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है। पात्र उम्मीदवारों को अपना आवेदन डीजीएनसीसी के माध्यम से सीधे IHQ MoD (N)/DMPR को भेजना होता है। इसके बाद उम्मीदवारों को इंटरव्यू पास करना होता है। स्स्क्रमें सफल हुए उम्मीदवार मेडिकल टेस्ट देते हैं। फिट पाए जाने पर ऑल इंडिया मेरिट के आधार पर भारतीय नौसेना में शामिल होते हैं।
अंडरग्रेजुएट लेवल एंट्री के लिए परमानेंट कमीशन, डायरेक्ट एंट्री, 10+2 (बी.टेक)
अंडरग्रेजुएट लेवल एंट्री के लिए परमानेंट कमीशन, डायरेक्ट एंट्री, 10+2 (बी.टेक) इसमें PCM में 70% मार्क्स के साथ 12वीं पास करने वाले छात्र अप्लाई कर सकते हैं। इसके साथ ही 10वीं या 12वीं कक्षा में उनके अंग्रेजी में 50% मार्क्स आए हों। 10+2 (बी.टेक) में प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए जेईई (मेन्स) की रैंक भी अनिवार्य है। उम्मीदवारों को ऑल इंडिया रैंक के आधार पर स्स्क्रके लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है। स्स्क्र के बाद योग्य उम्मीदवारों की मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। लिस्ट में उनके नंबर के आधार पर योग्यता के क्रम में उम्मीदवारों को नियुक्त किया जाता है।

इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट /नॉर्मलाइजेशन

इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट (INET) IHQ MoD (नौसेना)/DMPR के अंतर्गत होने वाली एक ऑफिसर एंट्री है। यह परमानेंट कमिशन और शॉर्ट सर्विस कमीशन दोनों के लिए होती है। INET का आयोजन एक वर्ष में दो बार होता है। INET (ऑफिसर) एक कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा है। इसमें चार खंड होते हैं और उम्मीदवार को सभी चार खंडों में मिनिमम 40% अंक लाने होते हैं। INET रैंक कम प्रेफरेंस के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार इंटरव्यू में भाग लेते हैं। INET (50% वेटेज) और SSB (50% वेटेज) दोनों के मार्क्स के आधार पर मेरिट सूची बनाई जाती है और वे नौसेना में शामिल होते हैं।

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

इन दिनों नकारात्मक वजहों से बनने वाली ये सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

सपने पूरे करने का दबाव

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले।इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें।

पीजीडीएम इन फाइनेंस क्यों है आपके लिए सही विकल्प?

प्रबंधन और कंसल्टेंसी के पारंपरिक फील्ड्स से बाहर निकलने की इच्छा रखने वाले कई छात्रों के लिए पीजीडीएम या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (फाइनेंस) एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है। दुनियां दिन प्रतिदिन तरक्की कर रही है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं आपस में ज्यादा जुड़ती जा रही हैं। इसलिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित वित्तीय सलाहकारों और प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में फाइनेंस क्षेत्र एक फायदेमंद और गतिशील कैरियर हो सकता है।

अगर आपकी रुचि वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय विश्लेषण या वित्त से जुड़े अन्य फील्ड में है तो आपके लिए पीजीडीएम इन फाइनेंस बेहतर विकल्प हो सकता है। पीजीडीएम कोर्स को फाइनेंस सेक्टर की तमाम फील्ड के हिसाब से तैयार किया गया है।

कई क्षेत्रों में मौके

पीजीडीएम इन फाइनेंस न केवल वित्तीय मुद्दों से निपटने का स्किल देता है, बल्कि छात्रों को विभिन्न इंडस्ट्री के मुद्दों को समझने के लिए जरूरी ज्ञान भी देता है। ऐसे में आपके लिए फाइनेंस पीजीडीएम उपयोगी साबित हो सकता है।

नेटवर्किंग और वैश्विक अवसर

पीजीडीएम इन फाइनेंस छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उद्योग के पेशेवरों, अन्य पीजीडीएम फाइनेंस छात्रों, गुरुओं और प्रोफेसरों के साथ सीखने और बातचीत करने का अवसर देता है। विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों, अतिथि व्याख्यानों, कार्यशालाओं और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से, पीजीडीएम इन फाइनेंस छात्रों को नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करता है। साथ ही पीजीडीएम इन फाइनेंस ग्लोबल स्तर पर भी नौकरी के कई मौके प्रदान करता है।

इंडस्ट्री के अनुसार

पीजीडीएम इन फाइनेंस कार्यक्रम इंडस्ट्री के तौर-तरीकों के अनुसार बनाया गया है। इससे छात्रों को उद्योग के विशेषज्ञों और प्रोफेशनल्स के साथ बातचीत करने का अनूठा अवसर मिलता है, साथ ही उन्हें उद्योग से जुड़ा अत्याधुनिक और नवीनतम ज्ञान भी मिलता है। नवीनतम रुझानों और विकासों का अध्ययन करने से छात्रों को अपने करिया की शुरुआत में ही बढ़त मिलती है। पीजीडीएम इन फाइनेंस उन लोगों के लिए आदर्श है जो पहले से ही वित्तीय क्षेत्र में रुचि रखते हैं और जिनमें इस प्रतिस्पर्धी उद्योग के लिए योग्यता है। फाइनेंस पीजीडीएम वित्तीय बाजारों, विश्लेषण और रणनीतियों के एकीकृत पाठ्यक्रम को एक साथ जोड़ता है।

कैरियर में ग्रोथ

पीजीडीएम इन फाइनेंस आपको स्किल प्रदान करता है और युवा पेशेवरों को अपने कैरियर में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है। वे चाहे कहीं भी अपना डिप्लोमा इस्तेमाल करें, उन्हें आकर्षक कैरियर के रास्ते जरूर मिलेंगे।

कंक्लूजन

पीजीडीएम इन फाइनेंस अपने छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजारों में सफल होने और वित्तीय ज्ञान और जानकारी से लैस व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के द्वार खोलता है। वित्तीय सेक्टर में मदद में रुचि रखने वालों को यह कई अन्य मौके भी प्रदान करता है।

10 हजार बन जाएंगे 3 लाख!

कैसे? दिग्गज निवेशक रामदेव अग्रवाल ने बताया फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में आज शुरुआती कारोबार में तेजी दिख रही है। बीएसई सेंसेक्स अभी करीब 89,000 अंक के आसपास है। दिग्गज इनवेस्टर रामदेव अग्रवाल का कहना है कि भारत का शेयर बाजार बहुत आगे जाएगा। उनका दावा है कि बीएसई सेंसेक्स 2030 तक 1.5 लाख अंक और 2035 तक 3 लाख अंक तक पहुंच सकता है। उनका मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी और बाजार मजबूत रहेगा। पिछले 45 साल में बाजार हर पांच साल में दोगुना हुआ है। उनका यह अनुमान पुराने आंकड़ों और चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने 1980 में पहला शेयर खरीदा था तब सेंसेक्स 100 पर था। अब यह 80,000 पर है। इस तरह यह 800 गुना बढ़ गया है, जो 16 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन रामदेव अग्रवाल ने एक इंटरव्यू में कहा, अगर आप पिछले 45 साल का इतिहास देखें, तो बाजार 15 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इसका मतलब है कि यह हर पांच साल में दोगुना हो गया है। मैं 10,000 अपने पास सुरक्षित रख रहा हूं। 2030 में यह 1.5 लाख और 2035 में 3 लाख हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भी आगे बढ़ रही है। 1995 में दुनिया की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर थी, जो अब 115 ट्रिलियन डॉलर है।

क्यों बढ़ेगा बाजार

अग्रवाल ने कहा कि दुनिया 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और सोना भी 15 साल में दोगुना हो जाएगा। साल 2040 में इकॉनमी 250 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी। इसमें से भारत को अगले 25 साल में लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर मिलेंगे। इसलिए सेंसेक्स लगातार बढ़ता रहेगा। बोफा सिक्योरिटीज ने भी कहा है कि भारत स्टॉक कंपाउंडर के लिए सबसे अच्छी जगह है। उन्होंने 9 ऐसे सेक्टर बताए हैं जिनमें विकास की संभावना है।

उन्होंने कहा कि निवेशकों को लंबी अवधि के लिए सोचना चाहिए और उसी के अनुसार निवेश करना चाहिए। शेयर चुनते समय आपको 2035 को देखना होगा। आप 2035 में बाजार को पहचान नहीं पाएंगे। यह बहुत बड़ा होने वाला है। अग्रवाल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज का उदाहरण दिया। साल 2003-04 में रिलायंस 20,000 करोड़ रुपये की कंपनी थी। आज यह 20 लाख करोड़ रुपये की कंपनी है। यह चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत है, जो आपको भविष्य देखने में मदद करती है। यह 99 प्रतिशत सही होता है लेकिन 1 प्रतिशत में कुछ भी हो सकता है।

इन चार सेक्टर्स पर जोर

दिग्गज निवेशक ने कहा कि आधा समय भविष्य आपकी सोच से बेहतर होगा। आधा समय यह बदतर होगा। आपका काम यह पता लगाना है कि आप ज्यादातर समय सही रहें। रामदेव अग्रवाल ने अगले दशक के लिए निवेश के 4 बड़े थीम बताए हैं। इनमें क्विक कॉमर्स, कैपिटल मार्केट, ग्रीन एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं। क्विक कॉमर्स भारत में तेजी से बढ़ रहा है। इसी तरह वित्तीय बचत के कारण कैपिटल मार्केट में तेजी आ रही है। सोलर और विंड कंपनियां अच्छा कर रही हैं और मैन्युफैक्चरिंग को लेकर निवेशकों में उत्साह है।

क्लीन प्लांट प्रोग्राम के तहत देश में लगेंगे 9 नए प्लांट, कृषि मंत्री ने बागवानी पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रति हेक्टेयर किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी पर जोर दिया है। इसके लिए केंद्र सरकार बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने बताया कि क्लीन प्लांट प्रोग्राम के तहत अब महाराष्ट्र को भी इसमें शामिल किया जाएगा। चौहान ने कहा कि कृषि मंत्री का काम तब तक पूरा नहीं माना जाता जब तक वह किसानों के खेतों का दौरा नहीं करता। उन्होंने महाराष्ट्र में आयोजित देश के पहले अंतरराष्ट्रीय कृषि हैकाथॉन में भाग लिया। चौहान ने कहा कि केंद्र क्लीन प्लांट प्रोग्राम (सीपीपी) शुरू कर रही है। इस योजना के तहत देश भर में नौ प्लांट स्थापित किए जाएंगे । इनमें से तीन प्लांट महाराष्ट्र में लगेंगे, जिसके लिए केंद्र 300 करोड़ रुपये खर्च करेगी। महाराष्ट्र में ये प्लांट पुणे, नागपुर और सोलापुर जिलों में लगाए जाएंगे। सीपीपी का उद्देश्य देश भर में फलों की फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उनकी भूमि के आकार की परवाह किए बिना उच्च गुणवत्ता वाली, वायरस मुक्त रोपण सामग्री तक पहुँच प्रदान करना है।

भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी बनाने का लक्ष्य - कृषि मंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाना है। केंद्र ने 29 मई को पखवाड़ा शुरू किया, जिसमें वैज्ञानिकों की मदद से कृषि क्षेत्र में बदलाव लाया जाएगा । इसका उद्देश्य भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी बनाने में मदद करना है।

चीन से आगे निकल सकता है भारतीय विमानन बाजार, पर कर प्रणाली जटिल: महानिदेशक वॉल्श

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा, भारत उन नागरिक विमानन बाजारों में से एक है, जहां विकास के अविश्वसनीय अवसर हैं। इसकी वृद्धि दर चीन से आगे निकलने की उम्मीद है। हालांकि, भारत में कर प्रणाली बहुत जटिल है। यह कई वर्षों से हमारे उद्योग की विशेषता रही है। इसलिए, यह कोई नया मुद्दा नहीं है।

वॉल्श ने कहा, भारत को अपनी क्षमता का पूर्ण दोहन करने और इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए कराधान के मुद्दे पर ध्यान देना होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि कराधान समाप्त करना होगा। लेकिन, इस बारे में स्पष्ट समझ होनी चाहिए कि कराधान नियम किस प्रकार लागू होते हैं। विमानन कंपनियों को कभी-कभी मौजूदा नियम की एक नई व्याख्या मिलती है, जो पहले से पूरी तरह अलग होती है। आईएटीए के महानिदेशक ने कहा, ऐसी स्थिति में करों के लिए दावा किया जाता है, जिसका भुगतान नहीं किया गया है। यह कई वर्षों तक मुकदमेबाजी और चर्चाओं का कारण बनता है, जो आखिरकार हल हो जाता है। कई मामलों में

यह विमानन कंपनी के पक्ष में जाता है। उन्होंने आगे कहा, विमानन कंपनियां किफायती कीमत पर कुशल हवाईअड्डा संचालन चाहती हैं। हम चाहते हैं कि हवाईअड्डों के मामले में दीर्घकालिक निवेश करें, जो उद्योग के लिए सस्ता हो।

हादसों की रिपोर्ट न आने पर जताई निराशा

इससे पहले, विमान सुरक्षा को लेकर वाल्श ने कहा कि पिछले छह साल में हादसों की आधी से भी कम जांचों की अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। हादसों की रिपोर्ट से जानकारी का अभाव सुरक्षा के अवसरों की हानि है। पिछले वर्ष 40.6 मिलियन उड़ानों में से सात घातक दुर्घटनाएं हुईं तथा 4.8 अरब यात्रियों में 244 लोगों की मृत्यु हुई। वाल्श ने कहा कि पिछले 12 महीनों में संघर्ष क्षेत्रों में दो नागरिक विमान गिराए गए। सैन्य अभियानों में नागरिक विमानों वाले कई हवाई अड्डों पर बमबारी की गई। संघर्ष क्षेत्रों के निकट नेविगेशन प्रणालियों में हस्तक्षेप की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई।

नौकरियों में नई भूमिकाएं तलाश रहे लोग, रिपोर्ट ने बताया- भारतीय जॉब मार्केट में गतिशीलता अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरियों से जुड़े एक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि भारत के नौकरी बाजार में बड़ी गतिशीलता देखी जा रही है। इसका मतलब है किर बड़ी संख्या में पेशेवर सक्रिय रूप से नई भूमिकाएं तलाश रहे हैं। वे अब अपने वर्तमान संगठनों में बेहतर वेतन के लिए बातचीत कर रहे हैं। माइकल पेज की नवीनतम टैलेंट ट्रेंड्स इंडिया 2025 रिपोर्ट से पता चलता है कि इस वर्ष 62 प्रतिशत पेशेवरों ने वेतन वृद्धि के लिए बातचीत की, और 37 प्रतिशत सफल रहे। जो आंतरिक रूप से प्रगति और बदलाव का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार सफल वेतन वृद्धि की दर पिछले साल के 32 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 37 प्रतिशत हो गई है। यह रिपोर्ट देश भर के करीब 3,000 पेशेवरों से मिली जानकारी पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, पशेवर अपनी कंपनियों में उद्देश्य, नैतिकता और लचीलेपन को प्राथमिकता दे रहे हैं। माइकल पेज इंडिया और सिंगापुर के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक निलय खंडेलवाल ने कहा, आज का कार्यबल तेजी से मूल्य-संचालित और भविष्य-केंद्रित होता जा रहा है। अब केवल नौकरी से संतुष्टि ही वफादारी सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कंपनी के भीतर स्थिति बेहतर होने के बावजूद नौकरी की तलाश करने वालों की उच्च दर बताती है कि लोग अब निष्क्रिय से सक्रिय कैरियर प्रबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि भारतीय संगठनों में त्द्ध्द्ध टूल्स को अपनाने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय बैंकों में ज्यादा हिस्सा ले सकेंगे विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशक आने वाले समय में भारतीय बैंक में ज्यादा हिस्सेदारी ले सकेंगे ।इसके लिए आरबीआई संबंधित नियमों में बदलाव की तैयारी कर रहा है। इससे भारत में लंबी अवधि के लिए पूंजी निवेश में मदद मिलेगी ।आरबीआई ने मई में नियमों में ढील देकर जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन को यस बैंक में 20 फीसदी हिस्सा खरीदने की मंजूरी दे दी थी। कनाडा की फेयरफैक्स होल्डिंग्स और एमिरेट्स एनबीडी भी इस समय आईडीबीआई बैंक में 60 फीसदी हिस्सा खरीदने की दौड़ में हैं। इससे विदेशी मालिकाना हक के नियमों को आसान बनाने के संकेत मिल रहे हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पिछले सप्ताह कहा, केंद्रीय बैंक व्यापक समीक्षा के तहत बैंकों के लिए शेयरधारिता और लाइसेंसिंग नियमों की जांच कर रहा है।

आरबीआई विनियमित वित्तीय संस्थाओं को बड़ी हिस्सेदारी रखने की मंजूरी देने की सोच सकता है। हालांकि, यह हर मामले में अलग हो सकता है। विदेशी बैंक सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत में सौदों के लिए उत्सुक हैं। खासकर तब, जब भारत क्षेत्रीय व्यापार समझौतों के लिए इच्छुक है। ऐसे समझौते एशिया और मध्य पूर्व में वैश्विक ऋणदाताओं के लिए भारत में नए अवसर खोल सकते हैं। सिटीबैंक से लेकर एचएसबीसी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड तक अधिकांश बड़े वैश्विक बैंकों का परिचालन भारत में है। वे मुख्यत : रोजी-रोटी के लिए कर्ज देने के बजाय अधिक लाभदायक कॉरपोरेट और लेनदेन बैंकिंग क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की को खरीदेगी ब्रांडी बनाने वाली देसी कंपनी तिलकनगर इंडस्ट्रीज

नई दिल्ली, एजेंसी। मेंशन हाउस और कूरियर नेपोलियन ब्रांड बनाने वाली कंपनी तिलकनगर इंडस्ट्रीज व्हिस्की ब्रांड इम्पीरियल ब्लू को खरीदने की दौड़ में सबसे आगे है। यह ब्रांड पेरनोड रिकार्ड नाम की एक फ्रेंच कंपनी बेच रही है। इस ब्रांड की कीमत करीब 600 मिलियन डॉलर (करीब 51 हजार करोड़ रुपये) हो सकती है। अगर यह डील हो जाती है तो यह भारत की शराब इंडस्ट्री में एक दशक से भी ज्यादा समय में सबसे बड़ी डील होगी।

यह कंपनी भी रेस में

लंदन के रवि देओल ने इनब्रू बेवरेजेज नाम की एक कंपनी बनाई है। यह कंपनी भी इम्पीरियल ब्लू को खरीदने की रेस में है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि पेरनोड रिकार्ड को तिलकनगर का प्रस्ताव ज्यादा पसंद आया है। हालांकि, इनब्रू अभी भी दौड़ से बाहर नहीं हुई है।

तिलकनगर का बढ़ जाएगा पोर्टफोलियो- सूत्रों के अनुसार, तिलकनगर को 23 जून तक एक बोली जमा करने के लिए कहा गया है। तिलकनगर भारत की पांचवीं सबसे बड़ी शराब कंपनी है।

अगर तिलकनगर इम्पीरियल ब्लू को खरीद लेती है तो इससे कंपनी का ब्रांड और पोर्टफोलियो दोनों बढ़ेंगे। तिलकनगर मुख्य रूप से ब्रांडी बनाती है। लेकिन साल 2012 में कंपनी ने मेंशन हाउस ब्रांड के साथ व्हिस्की के

मार्केट में भी कदम रखा। फिर भी, कंपनी की 90 प्रतिशत से ज्यादा बिक्री ब्रांडी से ही होती है।

क्या है कंपनी का प्लान?

21 मई को हुई एक मीटिंग में तिलकनगर के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अमित दहानुकर ने कहा कि कंपनी ब्रांडी और ढ्ढस्न्नरु कैटेगरी में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। इसके लिए कंपनी अपने ब्रांड और कुछ रणनीतिक निवेश करेगी।

कंपनी के शेयर में आई तेजी- इस खबर के बाद तिलकनगर इंडस्ट्रीज के शेयर में बुधवार को तेजी देखी गई। सुबह 10 बजे यह शेयर 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 369 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 25 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। वहीं लॉन्ग टर्म में इसने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 5 साल में इसका रिटर्न 2000 फीसदी से ज्यादा रहा है। यानी 5 साल में यह कंपनी एक लाख रुपये के निवेश को 20 रुपये से ज्यादा में बदल चुकी है।

आपके बाद आपके बच्चों का भविष्य बचाएगा माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इस लेख में जानिए कैसे ट्रस्ट बनाकर आप अपने बच्चों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। माता-पिता बच्चों के लिए धन-दौलत तो खूब जोड़ते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि उनके न रहने पर इस संपत्ति की सुरक्षा कैसे होगी। फाउंडर डायरेक्टर डॉ. दीपक जैन के मुताबिक माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इसके जरिए आप न सिर्फ उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज कर सकते हैं, बल्कि उनकी जरूरतों को भी पूरा कर सकते हैं। सही प्लानिंग और नियमों का पालन करके आप अपने बच्चों को एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य दे सकते हैं।

माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें बच्चों के नाम संपत्ति या पैसा ट्रस्ट के माध्यम से सुरक्षित रखा जाता है। चूंकि बच्चे नाबालिग होते हैं, वे अपने पैसों

को मैनेज नहीं कर सकते। ऐसे में ट्रस्ट उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज करता है और उनकी जरूरतों के अनुसार उन्हें फंड जारी करता है।

विल में एक बार पैसा ट्रांसफर हो जाने के बाद उस पर आपका कोई कंट्रोल नहीं रहता। लेकिन ट्रस्ट में आप शर्तें लगा सकते हैं कि बच्चे को कब, कितना और किस उद्देश्य से पैसा मिलेगा। उदाहरण के लिए, आप यह तय कर सकते हैं कि बच्चे को 18 साल की उम्र में एजुकेशन के लिए एक निश्चित राशि मिलेगी और 25 साल की उम्र में शादी के लिए एक अलग राशि।

ट्रस्टी और गार्जियन की भूमिका- ट्रस्टी वह व्यक्ति होता है जो ट्रस्ट को मैनेज करता है। शुरुआत में माता-पिता ट्रस्टी हो सकते हैं, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद कोई अन्य विश्वसनीय व्यक्ति (जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील या परिवार का कोई सदस्य) इसकी जिम्मेदारी संभाल सकता है. गार्जियन बच्चे की देखभाल करता है और उसके खर्चों को मैनेज करता है। जब तक बच्चा नाबालिग है, ट्रस्टी गार्जियन को ही पैसा जारी करेगा।

क्या बाहरी व्यक्ति को ट्रस्टी बनाया जा सकता है

हां, आप किसी भी विश्वसनीय व्यक्ति (जैसे दोस्त, चार्टर्ड अकाउंटेंट या फाइनेंसियल एडवाइजर) को ट्रस्टी बना सकते हैं। यहां तक कि आप एक ऑडिटर भी नियुक्त कर सकते हैं जो यह सुनिश्चित करे कि ट्रस्टी नियमों का पालन कर रहा है।

दुनिया की आर्थिक व्यवस्था तबाह करने में लगे हैं ट्रंप लेकिन भारत कर सकता है चमत्कार

भारत की आर्थिक तरक्की की कहानी और भी बेहतर होती जा रही है। मैं हमेशा से ही असाधारण सुधार दिखाने वाले आंकड़ों को लेकर थोड़ा सतर्क रहा हूं। बाद में डेटा में बदलाव होने से तस्वीर बिल्कुल अलग दिख सकती है। लेकिन जीडीपी के ताजा आंकड़ों को देखकर कम से कम दो बार तो खुश होना बनता है, शायद तीन बार भी। वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी विकास दर को 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया है। पाठकों को यह सुधार अच्छा तो लग सकता है, लेकिन शायद बहुत ज्यादा खास न लगे। लेकिन तस्वीर तब और भी बेहतर हो जाती है जब हम पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2024 की विकास दर में हुए बदलाव को देखते हैं। इसे 8.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 9.2 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी में एक दिलचस्प कहानी छिपी है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन का मानना है कि भारत 6.5 प्रतिशत की विकास दर के रास्ते पर है। उन्होंने वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 दोनों की शुरुआत में 6.5 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। यह पिछले दो दशकों के ट्रेंड को जारी रखने जैसा है। 9.2 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत के ताजा अनुमानों को समझने के लिए यह बैकग्राउंड जरूरी है।

डेटा में गड़बड़- आलोचकों का कहना है कि वित्त वर्ष 2024 में जो असाधारण प्रदर्शन हुआ, वह गुमराह करने वाला था। उस साल के लिए पहला अग्रिम अनुमान 7.4 प्रतिशत था। दूसरे॰श्च में इसे बढ़ाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया गया और अब अस्थायी अनुमान में इसे 9.2 प्रतिशत कर दिया गया है। अंतिम अनुमान आना अभी बाकी है। कई पाठक चार-चार बार हुए बदलावों से परेशान हैं। उन्हें लगता है कि डेटा में कुछ गड़बड़ है। लेकिन भारत के सांख्यिकीय मामलों के जानकार प्रणब सेन का कहना है कि डेटा कलेक्शन में कुछ कमियां जरूर हैं जिन्हें ठीक करने की जरूरत है लेकिन डेटा के साथ छेड़छाड़ नहीं की गई है।

अभी आधिकारिक महंगाई दर सीपीआई पर आधारित है। लेकिन जीडीपी विकास दर को मापने के लिए एक अलग महंगाई दर का इस्तेमाल किया जाता है - जीडीपी डिफ्लेटर। ये दोनों अक्सर एक जैसे होते हैं लेकिन कभी-कभी इनमें बहुत अंतर हो सकता है। चूंकि जीडीपी में सेवाओं का हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है, इसलिए जीडीपी डिफ्लेटर में उन्हें सीपीआई की तुलना में ज्यादा महत्व दिया जाता है। फाइनेंशियल ईयर 2024 में जीडीपी डिफ्लेटर घटकर सिर्फ 0.6 प्रतिशत रह गया, जो सीपीआई द्वारा बताई गई 4.6 प्रतिशत महंगाई से बहुत कम है।दो साल का औसत महंगाई के इन दो मापों में इतना बड़ा अंतर बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन ऐसा होता है। आलोचकों का कहना है कि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी डिफ्लेटर ने वास्तविकता को गंभीर रूप से बिगाड़ दिया था। इसका मतलब यह था कि अगर वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी को सांख्यिकीय रूप से बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया था, तो वित्त वर्ष 2025 में इसे कम करके आंका जाएगा क्योंकि डिफ्लेटर 0.6 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया। असल ट्रेंड इन दो साल का औसत होगा। यह औसत 7.85 प्रतिशत निकलता है - जो 6.5 प्रतिशत के लंबे समय के ट्रेंड से बहुत ज़्यादा है। यह सरकार द्वारा अनुमानित 6.5 प्रतिशत के औसत से भी ज्यादा है। यह 7 प्रतिशत के उस बेंचमार्क से भी ऊपर है जिसे चमत्कारी अर्थव्यवस्था कहा जाता है। यह कहना मुश्किल है कि आगे होने वाले बदलावों से तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी या नहीं। लेकिन अभी के लिए भारत विशेषज्ञों की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में यह लचीलेपन का एक अच्छा संकेत है।

भारत का प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2024 में अर्थशास्त्री लैरी समर्स ने तीसरी दुनिया के देशों के हवाले से कहा था, दुनिया में आग लगी हुई है। उन्होंने भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की इकॉनमी को बचाने के लिए आईएमएफ द्वारा किए गए उपायों की बात की थी। वित्त वर्ष 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं पैदा कर दी हैं और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी पुरानी आर्थिक व्यवस्था तेजी से खत्म हो रही है। इससे दुनिया की विकास दर धीमी हो जाएगी। ऐसे में भारत का प्रदर्शन और भी बेहतर दिखता है। भारत सरकार का मैन्युफैक्चरिंग पर जोर देना ज्यादा सफल नहीं हो रहा है। मैन्युफैक्चरिंग जीडीपी की तुलना में धीमी गति से बढ़ रहा है। इसलिए बड़ी छूट देने के बावजूद इसका हिस्सा गिर रहा है और अब यह 18 प्रतिशत है। एकमात्र सफलता मोबाइल फोन के क्षेत्र में मिली है, जहां ऐपल और सैमसंग बड़े निर्यातक बन गए हैं।

विराट को लंबे अरसे बाद आईपीएल खिताब जीतने पर धनश्री ने दी बधाई

• नहीं लिखा चहल के लिए कोई संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। 3 जून की रात रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नाम रही। आईपीएल 2025 के फाइनल में विराट कोहली की टीम आरसीबी ने पंजाब किंग्स की टीम को हराकर 18 साल बाद आईपीएल का पहला खिताब जीता। अरसों बाद विराट के हाथों आई इस ट्रॉफी के लिए मनोरंजन जगत के कई सितारे विराट को बधाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में अब अभिनेत्री और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, जो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पूर्व पत्नी हैं ने भी विराट कोहली को बधाई दी है। लेकिन चहल के लिए नहीं लिखा कोई संदेश।

आखिरकार जीत मिल गई

एक्ट्रेस और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने बुधवार की सुबह अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई। इसमें उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो अपने हाथों में आईपीएल की ट्रॉफी लिए टीम के साथ ग्राउंड पर जश्न मना रहे हैं। इसके साथ अभिनेत्री ने कैप्शन दिया कि आखिरकार नंबर 18 यानी विराट कोहली ने ये ट्रॉफी जीत ली। बधाई विराट और उनकी टीम को।

धनश्री के बारे में

चहल और धनश्री ने दिसंबर 2020 में शादी की थी, लेकिन रिश्तों में कड़वाहट की वजह से साल 2025 में दोनों आधिकारिक रूप से अलग हो गए थे। इस समय कोरियोग्राफर और एक्ट्रेस अपने कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्हें राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत फिल्म भूल चूक माफ में एक आइटम सॉन्ग टिंग लिंग सजना में देखा गया है।

धनश्री का क्रिकेट से रहा है गहरा नाता

विराट कोहली की टीम ने जिस टीम को हराया है उसका नाम पंजाब किंग्स है। इस टीम में कोरियोग्राफर धनश्री के पूर्व पति क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भी हिस्सा हैं। वहीं आपको बताते चलें कि युजवेंद्र चहल साल 2014 से 2021 तक आरसीबी टीम का ही हिस्सा थे। हालांकि, चहल के साथ लंबे समय तक रहने के बाद भी धनश्री ने उन्हें और उनकी टीम पंजाब किंग्स को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

18 नंबर विराट कोहली के लिए हुआ और भी खास खुद शेयर की थी इसके पीछे की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया और इस शानदार टूर्नामेंट की ट्रॉफी को अपने नाम किया. आरसीबी की ओर से सभी खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया. यह ट्रॉफी विराट कोहली के लिए काफी खास है. ऐसा इसलिए क्योंकि आईपीएल के 18 सीजन विराट कोहली ने आरसीबी की ओर से ही खेला है और पहली बार उन्होंने यह ट्रॉफी अपने नाम की है. विराट कोहली का जर्सी नंबर भी 18 है और अब यह नंबर उनके लिए और भी खास हो गया है.

विराट ने पहले ही कर दिया था बड़ा खुलासा

विराट कोहली ने इस बात का खुलासा पहले ही कर दिया था कि,'मेरे पिताजी का निधन 18 दिसंबर को हो गया था. जब मैं अंडर-19 टीम में शामिल हुआ तो उन्होंने मुझे 18 नंबर की जर्सी दी. मैंने भारत के लिए 18 अगस्त को डेब्यू किया. मुझे नहीं पता लेकिन 18 नंबर मेरी जिंदगी में काफी खास जगह रखता है.' बता दें कि, यह आईपीएल का 18वां सीजन था. आरसीबी की ओर से भले ही विराट कोहली फाइनल में बड़ा स्कोर ना बना पाए हो लेकिन उन्होंने हमेशा ही धमाकेदार प्रदर्शन किया है. विराट ने आईपीएल 2025 के फाइनल में 43 रन की पारी खेली थी. उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान तीन चौके जड़े थे.

जहां जाता है जीत कर आता है... 57 साल का गुमनाम हीरो, जिसने आरसीबी को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 18 साल का लंबा इंतजार खत्म हो गया है. आखिरकार आरसीबी भी अब अपने नाम के आगे चैंपियन लिखवा चुकी है. आईपीएल 2025 आरसीबी के लिए काफी यादगार रहा. सीजन की शुरुआत जीत के साथ करने वाली आरसीबी ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और खिताब पर कब्जा जमाया. इस ऐतिहासिक जीत के बाद खिलाड़ियों की जमकर तारीफ हो रही है. हर जगह विराट कोहली और रजत पाटीदार हर जगह छाए हुए हैं. लेकिन आरसीबी की जीत में 57 साल के एक दिग्गज का भी अहम योगदान है, जिसकी काफी कम बात की जा रही है.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में अपनी पहली ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया, और इस जीत के पीछे एक बड़ा योगदान रहा उनके हेड कोच एंडी फ्लावर का. जिम्बाब्वे के इस दिग्गज कोच का रिकॉर्ड बतौर कोच बेहद शानदार रहा है, और वह जिस भी टीम से जुड़े, उसे खिताब जिताने में कामयाब रहते हैं. आईपीएल 2025 में आरसीबी को चैंपियन बनाने के बाद फ्लावर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट की दुनिया में एक असाधारण कोच हैं. एंडी फ्लावर ने 2024 में आरसीबी के हेड कोच का पद संभाला था. 2024 में टीम प्लेऑफ तक पहुंची थी, लेकिन खिताब से चूक गई थी. हालांकि, 2025 में फ्लावर की रणनीति और नेतृत्व ने आरसीबी को वह सफलता दिलाई, जिसका फैंस 18 साल से इंतजार कर रहे थे. 3 जून 2025 को पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर आरसीबी ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की. फ्लावर ने टीम को एकजुट रखा और युवा खिलाड़ियों के साथ अनुभवी सितारों का सही तालमेल बनाया, जिसके चलते टीम ने इस सीजन कुल 11 मैच जीते.

फ्लावर का शानदार कोचिंग करियर

एंडी फ्लावर का कोचिंग करियर उपलब्धियों से भरा हुआ है।उन्होंने 2009 में इंग्लैंड की टीम के साथ एशेज सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की था. इसके बाद 2010 में उन्होंने इंग्लैंड को टी20 वर्ल्ड कप जिताया था. उसी साल उन्होंने एशेज 2010-11 में ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में 3-1 से हराया था. फ्लावर ने अलग-अलग लीग्स में भी अपनी कोचिंग का जादू दिखा चुके हैं. 2019 में अबु धाबी टी10 में उन्होंने मराठा अरेबियंस को चैंपियन बनाया, और 2021-22 में दिल्ली बुल्स को फाइनल तक पहुंचाया.

आरसीबी को 20 करोड़, पीबीकेएस को 12.5 करोड़

आईपीएल 2025 पुरस्कार राशि की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आरसीबी 190/9 पर ढेर हो गई। जवाब में पंजाब ने मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन पावरप्ले के बाद आरसीबी ने नियमित अंतराल पर झटके देकर गति बदल दी और पंजाब 20 ओवर में 184/7 के स्कोर के साथ 6 रन से पिछड़ गया। आरसीबी को आईपीएल 2025 जीतने पर 20 करोड़ रुपए मिले जबकि पीबीकेएस को 12.5 करोड़ रुपए मिले। हालांकि प्राइज मनी की लिस्ट यहीं पर खत्म नहीं होती आइए जानते हैं किसे कितनी राशि मिली है-

➲विजेता (आरसीबी)- 20 करोड़ रुपए

➲उप-विजेता (पीबीकेएस) - 12.5 करोड़ रुपए मिलेंगे

➲तीसरे नम्बर पर रहने वाली टीम (मुंबई इंडियंस) 7 करोड़ रुपए

➲चौथे स्थान पर रहने वाली टीम (गुजरात टाइटन्स) - 6.5 करोड़ रुपए

➲ऑरेंज कैप विजेता (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए

➲पर्पल कैप विजेता (प्रसिद्ध कृष्णा) - 10 लाख रुपए

➲इमर्जिंग प्लेयर विजेता (साई सुदर्शन) 1 10 लाख रुपए

➲मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (सूर्यकुमार यादव) - 15 लाख रुपए

➲सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन (वैभव सूर्यवंशी) - 10 लाख रुपए + टाटा कर्व

➲फैंटेसी किंग ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए

➲बेस्ट कैच विजेता (कामिंडू मेंडिस) 1 10 लाख रुपए

➲सबसे ज्यादा डॉट बॉल (मोहम्मद सिराज) - 10 लाख रुपए

➲सुपर सिक्स (निकोलस पूरन) 1 10 लाख रुपए

➲फोर ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए

➲फेयरप्ले अवॉर्ड (चेन्नई सुपर किंग्स) - 10 लाख रुपए

➲पिच और ग्राउंड (दिल्ली ➲कैपिटल्स का होम ग्राउंड नई दिल्ली)50 लाख रुपए

बेंगलुरु बनाम पंजाब फाइनल में पुरस्कार विजेताओं की सूची

➲प्लेयर ऑफ द मैच (क्रुणाल पांड्या) 1 5 लाख रुपए

सुपर स्ट्राइकर (जितेश शर्मा) - 1 लाख रुपए

➲सबसे ज्यादा डॉट बॉल (क्रुणाल पांड्या) 1 1 लाख रुपए

सबसे ज्यादा चौके (प्रियांश आर्य) 1 1 लाख रुपए

➲फैंटेसी किंग (शशांक सिंह) - 1 लाख रुपए

➲सबसे ज्यादा छक्के (शशांक सिंह) 1 1 लाख रुपए

पहली बार आईपीएल जीतकर भी टूट गया आरसीबी का ख्वाब, बेंगलुरु के फैंस को लगा बहुत बड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल के इंतजार के बाद आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है. इस

ऐतिहासिक जीत के बाद से ही आरसीबी के फैंस जश्न में डूबे हुए हैं. सोशल मीडिया पर भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ियों की ही चर्चा हो गई है. ऐसे में आरसीबी की टीम ने इस जीत को फैंस के साथ सेलिब्रेट करने के लिए एक खास प्लान बनाया था. लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. वह अब अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को करीब से नहीं देख पाएंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरसीबी की इस जीत का जश्न बेंगलुरु की सड़कों पर पूरी तरह से नहीं मनाया जा सकेगा. ऐसे में आरसीबी के फैंस को निराशा हाथ लगी है, लेकिन उत्सव को चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक समारोह के रूप में आयोजित किया गया. आरसीबी ने 3 जून 2025 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती. इस जीत के बाद टीम ने बेंगलुरु में एक भव्य विजय परेड का ऐलान किया था, जो विधान सौधा से शुरू होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम तक जानी थी.

अल्काराज लगातार तीसरे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

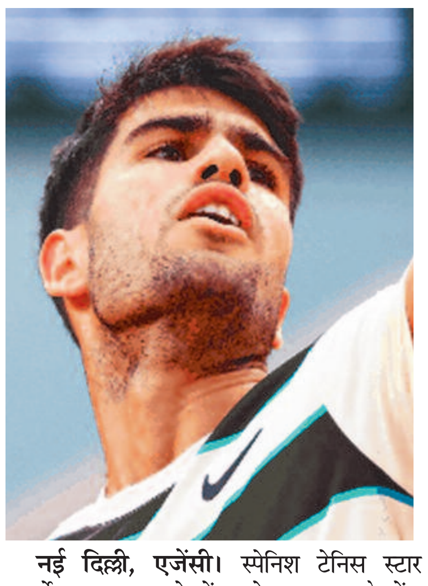

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन ने क्वार्टर फाइनल में 12वीं सीड अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को केवल 94 मिनट में हराया। वहीं, इटली के लोरेंजो मुसेटी भी अंतिम-4 में पहुंच गए हैं। विमेंस सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन पोलैंड की टेनिस स्टार इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका भी अगले दौर में पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल में मुसेटी से भिड़ेंगे अल्काराज अल्काराज लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। अल्काराज ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराया। उन्होंने 6-0, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की।

अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा, जिन्होंने फ्रांसेस टियाफो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। यह मुकाबला शुक्रवार, 6 जून को खेला जाएगा। मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से मजाकिया अंदाज में इसलिए माफी मांगी क्योंकि मैच जल्दी खत्म हो गया था। मुसेटी के मैच के दौरान विवाद इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। मुसेटी ने पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। हालांकि, मैच के दौरान एक विवाद हो गया। मुसेटी ने दूसरे सेट में हार के बाद गेंद को लात मार दी, जो एक महिला लाइन जज के सीने पर जा लगी। इस पर उन्हें अनस्पोर्ट्समैनलाइक कंडक्ट के लिए चेतावनी दी गई। मुसेटी ने तुरंत माफी मांगी और कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण था।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड), एजेंसी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है। केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ (41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट (44) का शमारा जोसेफ ने शिकार किया। इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

'अगर सम्मान पाना है तो टेस्ट क्रिकेट खेलो'

रिटायर हो चुके कोहली की युवाओं को सलाह

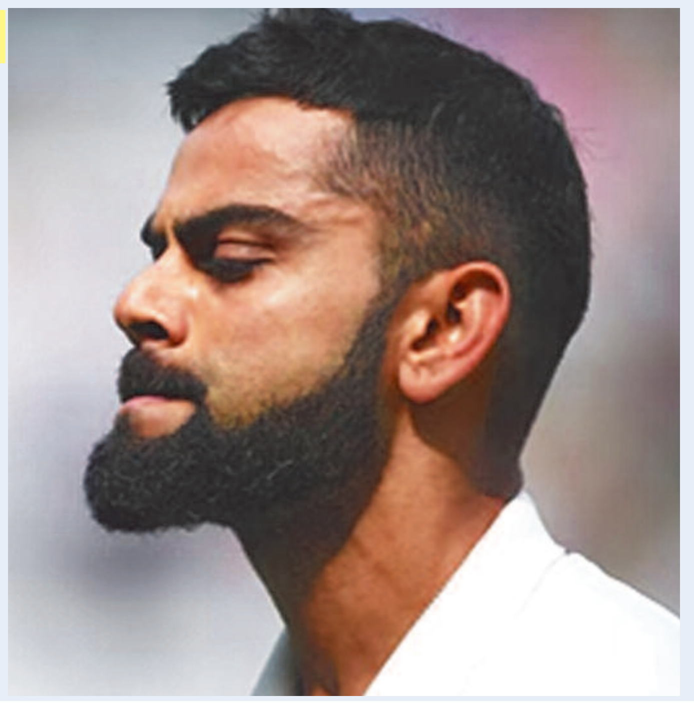

अहमदाबाद, एजेंसी। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट के प्रबल समर्थक बने हुए हैं, क्योंकि भारतीय दिग्गज ने एक बार फिर युवाओं को सबसे लंबे प्रारूप में खेलने के बारे में अपनी राय व्यक्त की, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स पर छह रन की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीतने के लिए अपने 18 साल के सूखे को समाप्त किया।

कोहली ने 2025 आईपीएल सीजन के दौरान अचानक टेस्ट से संन्यास की घोषणा की थी और अगले दो महीनों में इंग्लैंड का सामना करने वाली टीम का हिस्सा नहीं होंगे। प्रारूप में उनका आखिरी प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024/25 में हुआ था।

कोहली का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है और उन्होंने कहा कि जब आप सबसे लंबे प्रारूप में प्रदर्शन करेंगे, तभी दुनिया किसी खिलाड़ी का उसके खेल के लिए सम्मान करेगी। आप जानते हैं, यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है। लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट के पांच स्तरों को दर्शाता है।

मैं टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देता हूं। और मैं टेस्ट क्रिकेट को इतना प्यार करता हूं। विराट ने कहा, इसलिए मैं आने वाले युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे टेस्ट प्रारूप को सम्मान के साथ लें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकी आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, बहुत बढ़िया, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। इसलिए अगर आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएं और अपना दिल और आत्मा इसमें लगा दें। कोहली ने मंगलवार को कहा, जब आप दूसरी तरफ चमत्कार करके बाहर निकलते हैं, तो आप क्रिकेट जगत में सम्मान प्राप्त करते हैं, क्योंकि आप जैसे दिग्गज खिलाड़ी मैदान पर और मैदान के बाहर हमारे दिलों को पिघला देते हैं।

कोहली ने 123 मैचों में 46.85 की शानदार औसत से 30 शतकों और 31 अर्धशतकों के साथ 9230 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा।

उन्होंने 40 जीत के साथ अपने टेस्ट करियर का समापन चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान के रूप में किया, जो ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) से पीछे हैं। उन्होंने भारतीय कप्तान द्वारा सबसे अधिक टेस्ट शतक भी बनाए हैं, जबकि गावस्कर (11 शतक) उनके 20 शतकों से काफी पीछे हैं।

सम्राट पृथ्वीराज चौहानः

'राजमाता' की भूमिका के लिए पद्मिनी ने की खूब मेहनत, सुनाया मजेदार किस्सा

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाली बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी 11 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। पद्मिनी चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान में राजमाता की भूमिका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि 'राजमाता' के किरदार के लिए उन्होंने कैसे और क्या तैयारी की।

पद्मिनी ने बताया कि राजमाता की भूमिका उनके करियर का एक खास अनुभव रहा है। उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए खूब मेहनत की। अभिनेत्री ने बताया, मैंने ऐतिहासिक किताबें, लोक कथाएं और डॉक्यूमेंट्री देखी ताकि उस दौर को समझ सकूं। राजमाता सिर्फ पृथ्वीराज की मां ही नहीं थीं, बल्कि उनकी ताकत और मार्गदर्शक भी थीं। एक मां के तौर पर मैं उनकी भावनाओं को समझ सकती हूं। इस किरदार को निभाना मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी थी। पद्मिनी ने मजाकिया अंदाज में बताया कि उन्होंने इस विषय पर इतना सर्च किया कि उनका फोन अब भी सिर्फ पृथ्वीराज और उस युग से जुड़ी चीजें ही सुझाता है। उन्होंने राजमाता की शांत ताकत और गरिमा को पर्दे पर लाने के लिए हर छोटी-बड़ी बात पर ध्यान दिया।

टेलीविजन पर वापसी को लेकर उत्साहित पद्मिनी कोल्हापुरी ने कहा, चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं इसमें दमदार भूमिका निभा रही हूं, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 वर्षों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी है। टेलीविजन पर मेरा सफर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुआ था और अब, इतने सालों के बाद मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है। उन्होंने कहा, जब मुझे राजमाता की भूमिका के लिए ऑफर मिला तो मुझे इससे जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है, जिसमें इतनी गहराई हो। वह सिर्फ एक रानी या मां नहीं है, वह राज्य की आत्मा हैं। राजमाता की भूमिका निभाना उन सभी मजबूत महिलाओं को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने पर्दे के पीछे से शांति के साथ देश की मजबूती में अहम भूमिका निभाई।

किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूं। चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान पृथ्वीराज के जीवन पर आधारित है, जो एक राजकुमार से एक महान योद्धा बनने की कहानी को दिखाता है। यह शो उनकी चुनौतियों, जीत और उस विरासत को दिखाएगा, जिसने उन्हें इतिहास में अमर कर दिया। शो में पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ अनुजा साठे, रोनित रॉय और रूमी खान जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

यह शो भारत के वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान की कहानी को पर्दे पर जीवंत करेगा और 4 जून से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

कुएं में कूद जाऊंगी लेकिन बिग बॉस में नहीं जाऊंगी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस हमेशा चर्चा में रहता है. इस शो को 18 सीजन आ चुके हैं और सभी को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. इन दिनों बिग बॉस 19 को लेकर लगातार अपडेट मिल रहे हैं. बीते दिनों इस शो के अगले सीजन में शामिल होने वाले स्टार्स की एक लिस्ट सामने आई थी. हालांकि, मेकर्स की तरफ से शो शुरू होने से पहले कभी लिस्ट अनाउंस नहीं की जाती है लेकिन सोशल मीडिया पर इस तरह के नाम सामने आते रहते हैं. इसी बीच टीवी इंडस्ट्री की एक पॉपुलर एक्ट्रेस ने सलमान खान के शो के लिए बहुत बड़ी बात कह दी है. आइए जानते हैं कि ये एक्ट्रेस कौन है और क्या कहा है.

चाहत खन्ना ने बिग बॉस की जमकर बुराई: इस दौरान उन्होंने बिग बॉस में जाने के सवाल पर रिएक्शन दिया है. चाहत खन्ना ने कहा, मुझे इस शो का ऑफर तो हर साल आता है लेकिन मैं कभी ना जाऊं. मुझे अगर मौका मिला तो मैं कुंए में कूद जाऊंगी लेकिन बिग बॉस में कभी नहीं जाऊंगी. मैं ये भी बात जानती हूं कि वो कितना षडयंत्र रचकर बैठे होंगे. वो मेरे पास्ट की धज्जियां उड़ा देंगे. मेरे पास अगर कभी खान के लिए पैसे नहीं होंगे तो मैं कहीं नौकरी कर लूंगी लेकिन बिग बॉस में कभी नहीं जाऊंगी.

चाहत खन्ना कर रही हैं खुद का काम: बताते चलें कि चाहत खन्ना ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह टीवी से काफी समय से दूर हैं और इसमें काम नहीं करता चाहती हैं. उन्होंने बताया है कि उन्हें उनके मुताबिक ऑफर और पैसे नहीं मिल रहे हैं इसलिए उन्होंने खुद का काम शुरू कर दिया है. चाहत खन्ना ने बताया कि वह अपने काम में अच्छा कर रही हैं और बिजनेस वुमन बनकर घर और काम दोनों संभाल रही हैं.

कावेरी कपूर की 'डबलिन डायरीज़' ने फैंस को आयरलैंड घूमने के दिखाए ख्वाब

सिंगर, सॉन्गराइटर और अभिनेत्री कावेरी कपूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने ट्रैवल लवर्स को ज़बरदस्त वॉन्डरलस्ट में डाल दिया है। कावेरी इन दिनों डबलिन की शांत और सुरम्य फिज़ाओं का आनंद ले रही हैं और उन्होंने अपने डबलिन डायरीज़ पोस्ट के ज़रिए फैन्स को जबरदस्त ट्रैवल ख्र्ह्र्ख्र्ह्र दे दिया। उन्होंने आयरलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक जीवंतता की कुछ दिल छू लेने वाली झलकियां साझा कीं। हरी-भरी वादियों पर छाए नाटकीय बादलों से लेकर, पूरी तरह खिले हुए चेरी ब्लॉसम्स, शांत झीलों के किनारे उगते और डूबते सूरज, पहाड़ों का साफ़ पानी में प्रतिबिंब, रंग-बिरंगी गलियाँ, और आइकोनिक पिंक लूसीज़ विंटेज़ लाउंज–कावेरी की यह पोस्ट मानो हमें वर्चुअल टूर पर ले गई हो।

कावेरी इन दिनों इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उन्होंने कुणाल कोहली की बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसे ओटीटी पर खूब सराहा गया। उनकी परफॉर्मेंस को भी आलोचकों और दर्शकों से भरपूर तारीफ मिली। एक्टिंग के साथ-साथ कावेरी म्यूज़िक की दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। अब तक वह चार म्यूज़िक वीडियोज़ कर चुकी हैं। अपनी डेब्यू फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने भी उन्होंने खुद गाया है, जो उनका पाँचवाँ म्यूज़िक वीडियो बन गया है। इसके अलावा, कावेरी ने अपने क्रिएटिव सफर में एक और उपलब्धि जोड़ी है। उन्होंने हाल ही में एक धागा का मूल अंग्रेज़ी वर्जन रेमिनिस रिलीज़ किया। यह बेहद निजी ट्रैक उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने इसे तब लिखा था, जब वह सिर्फ़ 15 साल की थीं। इस गाने में उन्होंने अपनी शुरुआती गीत लेखन क्षमता और भावनात्मक परिपक्वता का प्रदर्शन किया था। इस गाने को इंडस्ट्री से काफ़ी प्रशंसा मिल रही है। कावेरी की अगली फ़िल्म मासूम 2 है, जिसमें वह सिनेमा के दिग्गज नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए तैयार हैं।

दीपिका के बाद अब पंकज त्रिपाठी ने 8 घंटे शिफ्ट का किया समर्थन, बोले- बहुत हुआ 16-18 घंटे काम

दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने के बाद इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस छिड़ गई है। दीपिका पादुकोण के फिल्म छोड़ने के पीछे की एक वजह एक्ट्रेस के 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करना भी माना जा रहा है। इसके बाद अब कई और कलाकार भी इस पर अपनी राय रख रहे हैं। अब दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने इस मामले पर अपनी राय दी है और आठ घंटे की शिफ्ट का समर्थन किया है।

16 से 18 घंटे काम के घंटों पर जताई नाराजगी

इस दौरान पंकज त्रिपाठी ने उन दिनों को याद किया जब उनके काम के घंटे लगातार बढ़ते रहे। सेट पर अपने काम के घंटों को 16 से 18 घंटे तक बढ़ाए जाने पर अपनी नाराजगी जताते हुए अभिनेता ने कहा कि मैं बोल भी रहा हूं कि एक्टर जा चुका है, लेबर रुका हुआ है। लेकिन अब बहुत हुआ 16-18 घंटे काम। अब मैंने बहुत ही प्यार से अपने काम के घंटे बढ़ाने से मना करना शुरू कर दिया है। मैं अब अपनी सीमा नहीं लांघता। मैं अब निर्देशकों से भी कहूंगा कि जो कुछ भी बचा है, वह अगले दिन किया जाएगा।

मणिरत्नम ने बताई उचित मांग

इससे पहले इस मामले पर निर्देशक मणिरत्नम भी अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। 'ठग लाइफ' के प्रमोशन में जुटे निर्देशक मणिरत्नम ने 8 घंटे शिफ्ट पर कहा था, मुझे लगता है कि यह एक उचित मांग है। मुझे खुशी है कि वह इसके लिए पूछने की स्थिति में है। मुझे लगता है कि एक फिल्म निर्माता के रूप में, आप कास्टिंग करते समय इस बात को ध्यान में रखेंगे। यह पूछना कोई अनुचित बात नहीं है, बल्कि एक बड़ी जरूरत है।

माफी नहीं मांगने पर फंसे कमल हासन

● हाईकोर्ट ने दिया झटका, कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी ठग लाइफ

कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए कमल हासन के बयान पर अब मामला बढ़ता जा रहा है। अपने बयान पर माफी न मांगना कमल हासन को महंगा साबित हुआ है। जिसका खामियाजा उनकी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' को उठाना पड़ा है। फिल्म 'ठग लाइफ' अब फिलहाल 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक फिल्म के कर्नाटक में रिलीज पर रोक लगा दी है।

10 जून तक अटकी फिल्म की रिलीज

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने आज कहा कि कमल हासन के कन्नड़ भाषा पर दिए गए बयान से राज्य में अशांति फैल गई है। कर्नाटक में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के लिए सुरक्षा की मांग करने वाले अभिनेता की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यह टिप्पणी की और सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी। ऐसे में अब फिल्म फिलहाल 10 जून तक कर्नाटक में रिलीज नहीं हो सकेगी। फिल्म पहले 5 जून को रिलीज होने वाली थी।

कमल हासन ने माफी मांगने से किया इंकार

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, कमल हासन ने कर्नाटक में 'ठग लाइफ' की रिलीज को रोकने पर सहमति जताई। कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप वाली कमल हासन की टिप्पणी के बाद हाईकोर्ट ने ये फैसला किया है। अपने बयान पर माफी मांगने से इंकार करते हुए अभिनेता ने कहा कि उनके मन में कोई दुर्भावना नहीं थी और न ही किसी दुर्भावना से उन्होंने वो टिप्पणी की। कमल हासन ने फिल्म चैंबर के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव रखा।

कमल हासन का तर्क, गलत तरीके से पेश किया गया बयान

जस्टिस एम नागप्रसन्ना की बेंच ने यह फैसला किया है। यह मामला 'ठग लाइफ' के ऑडियो रिलीज के दौरान कमल हासन के दिए गए एक बयान से पैदा हुआ है। लंच से पहले की सुनवाई में हाई कोर्ट ने मौखिक रूप से कमल हासन को अपने बयान के लिए माफी मांगने को कहा था। क्योंकि इससे कर्नाटक के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। लेकिन कमल हासन ने माफी मांगने से इंकार कर दिया।

हरियाणवी बोलने वालों को समझा जाता है अनपढ़: एल्विश यादव

यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव ने हरियाणवी भाषा के साथ जुड़ी गलतफहमी पर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि हरियाणवी बोलने वाला कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, उसे अनपढ़ ही समझा जाता है।

एल्विश यादव ने बताया, मेरे मन में ये चीजें चलती रहती हैं। मैंने कहीं पढ़ा था कि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि हमारी जैसी भाषा होती है, वैसी ही इमेज बना ली जाती है। जैसे हरियाणवी, जो खड़ी बोली है, कुछ लोगों को अनपढ़ लोगों की भाषा लगती है। उन्हें लगता है कि हम ठीक से बोलना नहीं जानते। लेकिन यह सच नहीं है। एल्विश यादव के रूप में लोकप्रिय सिद्धार्थ यादव हरियाणा से हैं और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया है। 28 वर्षीय एल्विश 'बिग बॉस ओटीटी 2' और 'एमटीवी रोडीज डबल क्रॉस' जैसे शो के विजेता रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह कड़ी मेहनत करते थे और टॉपर रहे हैं। उन्होंने बताया, सच तो यह है कि मैंने बहुत पढ़ाई की है। मैं कड़ी मेहनत करता था। मैं टॉपर रह चुका हूं। मैंने परीक्षाएं अच्छे नंबरों में पास की हैं। मेरा मानना है कि यदि कोई तमिलनाडु से है, तो उसकी भाषा तमिल है। ऐसे ही हरियाणा की भी अपनी भाषा है, लेकिन हमारी भाषा के बारे में गलतफहमी है। एल्विश का मानना है कि हरियाणवी बोलने वालों के बारे में एक गलत धारणा बन गई है। उन्होंने कहा, एक स्टीरियोटाइप बना दिया गया है कि जो कोई भी हरियाणवी बोलता है-चाहे वह कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह अनपढ़ होगा। वह ठीक से बोलना नहीं जानता। लेकिन यह हमारी भाषा है। हर किसी की अपनी भाषा होती है। इसलिए मैं जिस तरह से बोलता हूं, वह बिल्कुल ठीक है। लेकिन लोग मानते हैं मैं अहंकार में रहता हूं। हो सकता है कि मुझमें थोड़ा अहंकार हो, लेकिन उतना नहीं जितना लोग सोचते हैं। उन्होंने आगे बताया, लोग मुझे गलत समझते हैं? इतना कि इसके लिए मीम्स भी बनने लगे हैं। लेकिन मैं एक अच्छा इंसान हूं।

द ट्रेटर्स से एक्टिंग में डेब्यू करने जा रहीं अंशुला कपूर

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अब अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसे करण जौहर होस्ट करेंगे। होस्ट करण जौहर ने शुक्रवार को सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा, क्यहु आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं? जवाब देते हुए अंशुला ने बताया, आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे। प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। द ट्रेटर्स के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरौजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं।

-साभार-एजेंसी